खास बात

जो अपने समय का सबसे अधिक दुरुपयोग करते हैं, वे ही समय की कमी की सबसे अधिक शिकायत करते हैं।

-ब्रूयर

॥ श्री हरि शरणम् ॥

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 13 अंक - 346

रायसेन

रविवार, 14 जून 2026

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पीएम मोदी की मौजूदगी में बनेगा विश्व रिकॉर्ड

कोलकाता। कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक भव्य आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति प्रस्तावित है। इस अवसर पर भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा एक ही समय में सर्वाधिक लोगों की भागीदारी वाले लाइव योग कार्यक्रम के माध्यम से गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' निर्धारित की गई है। इसका उद्देश्य सभी आयु वर्ग के लोगों के बीच योग के महत्व को रेखांकित करना तथा शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और भावनात्मक सुदृढ़ता को बढ़ावा देना है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, विशेष ऑनलाइन योग कार्यक्रम का आयोजन 14 जून, 2026 को सुबह 6 :15 बजे से 7 :35 बजे तक किया जाएगा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मंत्रालय के आधिकारिक यूट्यूब मंच पर होगा, जहां प्रतिभागी निर्धारित समय पर कॉमन योग प्रोटोकॉल का सामूहिक अभ्यास करेंगे।

अवैध कोयला खदान में दम घुटने से 4 मजदूरों की मौत

रामगढ़। रामगढ़ जिले के सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के अरगड्डा प्रक्षेत्र में अवैध कोयला खनन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। जंगल क्षेत्र में बने एक अवैध कोयला मुहाने (चाल) में फंसने से चार मजदूरों की मौत हो गई। यह घटना अरगड्डा पुराने माइंस के सामने स्थित चपरी गांव के काजू बागान क्षेत्र में हुई। शनिवार को पुलिस और माइंस रेस्क्यू टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर चारों मजदूरों के शव बाहर निकाले। मृतकों की पहचान किशोर, आशीष, देवा और डब्बू के रूप में हुई है। सभी मजदूर अवैध रूप से कोयला निकालने के लिए खदाननुमा मुहाने में उतरे थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अंदर ऑक्सीजन की भारी कमी होने के कारण उनका दम घुट गया और वे बाहर नहीं निकल सके।

महाराष्ट्र : मां ने 4 बच्चों को जहर देकर की आत्महत्या

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के मानगांव तहसील में स्थित खारवली गांव में एक मां ने अपने चार बच्चों को ज़हर देने के बाद खुद भी जहर पीकर आत्महत्या कर ली। इस घटना में मां और उसके दो बच्चों की मौत हो गई है, जबकि 2 बच्चों की हालत बहुत गंभीर बताई जा रही है और दोनों का इलाज मानगांव के सरकारी अस्पताल में हो रहा है। इस घटना की छानबीन मानगांव पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि मानगांव तहसील के खारवली आदिवासी गांव में आशा जाधव (29) अपने चार बच्चों सहित रहती थी। शुक्रवार को देर रात आशा जाधव ने अपने चार बच्चों को कोल्ड ड्रिंक में मिलाकर जहर दे दिया। इसके बाद आशा जाधव ने खुद जहर पी लिया।

अंतर्मना उवाच

एक बार खाये तो योगी, दो बार खाये तो भोगी, तीन बार खाये तो रोगी और जो बार-बार खाये, उसकी जल्दी मृत्यु होगी..!

*मैं भारत में बढ़ती हुई **बीमारियों की लहर** को देखकर चिंतित हूँ। यह लहर अब नये-नये रोग लेकर आ रही है। **आज का भारत अनेक प्रकार की बीमारियों और रोगों की राजधानी बनता जा रहा है।***

मुनखोसला, जिला दाहोद, गुजरात। ज्येष्ठ माह की उमस वाली भीषण गर्मी 42 डिग्री तापमान में उत्कृष्ठ तप 60 मिनिट की सामायिक जप तप करते अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज

भारत दुनिया में मधुमेह (डायबिटीज) की सबसे बड़ी समस्याओं वाले देशों में शामिल है।

- *एक अनुमान के अनुसार लगभग **11.4 फीसदी** भारतीय मधुमेह से पीड़ित हैं, जो वैश्विक औसत से अधिक है।*
- *इसके अलावा **मोटापा** भी एक भयावह समस्या बन चुका है। महिलाओं में यह समस्या **वर्ष 2005-06 में 12.6 फीसदी** से बढ़कर **2019-20 में 24 फीसदी** तक पहुँच गई, जबकि पुरुषों में यह **9.3 फीसदी** से बढ़कर **22.9 फीसदी** हो गई। भारत में **2.7 करोड़** से अधिक बच्चे और युवा मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं। दरअसल, **इन सबके पीछे पैकेट बंद खाना और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड बहुत हद तक जिम्मेदार हैं।** पैकेट बंद खाना तुरंत भूख तो मिटा देता है, लेकिन उसके दुष्परिणाम हमारे शरीर की ऐसी तैसी कर देते हैं।*

***मोटापा कम करने की दवाइयाँ भी भारत में धड़ल्ले से बिक रही हैं।** ओजेम्पिक और मौंजारो जैसे इंजेक्शन इसके उदाहरण हैं।*

*आज इंसान शरीर की परेशानियों से जूझ रहा है और दवाइयों के बोझ तले दबता जा रहा है। स्वस्थ भोजन प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार होना चाहिए। **खाद्य पदार्थों की शुद्धता और सुरक्षा केवल उपभोक्ताओं की रक्षा ही नहीं करती, बल्कि देशहित तथा सामाजिक और आर्थिक हितों के लिए भी अत्यंत लाभदायक सिद्ध होती है...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

सीएम डॉ. मोहन यादव ने आईजी कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा

नागरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बनाए रखना पुलिस का पहला कर्तव्य

- मध्यप्रदेश पुलिस और सुरक्षाबलों पर है गर्व
- ढाई में हासिल कीं कई ऐतिहासिक उपलब्धियां
- नक्सलवाद को खत्म करने वाला एमपी बना पहला राज्य
- भोजशाला से संबंधित कोर्ट के निर्णय को लागू कराने में पुलिस की अहम भूमिका

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बनाए रखना पुलिस का पहला कर्तव्य है। पीड़ित व्यक्तियों के साथ विनम्र व्यवहार और उनके हितों की सुरक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सिंहस्थ-2028, करोड़ों श्रद्धालुओं का आस्था पर्व है। इस आयोजन में संवेदनशीलता, सक्रियता, सतर्कता और सेवा भाव से मप्र पुलिस, आदर्श व्यवस्था का उदाहरण देश-दुनिया में प्रस्तुत कर सकेगी। सीएम ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित आईजी कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका अभिवादन किया गया। कॉन्फ्रेंस में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा, अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सीएम ने कहा कि आईजी स्तर के बाद संभाग स्तर पर भी समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी और वे स्वयं इन बैठकों में शामिल होंगे।

साइबर अपराध रोकने सर्वोच्च प्राथमिकता- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देशित किया कि साइबर अपराधों की रोकथाम और जनजागरूकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, नशामुक्ति, मानव तस्करी पर नियंत्रण, महिला और बच्चों की सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ बनाने तथा धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संबंध में न्यायालयों द्वारा दिए गए निर्देशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा तथा सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को पुलिस विभाग की प्रमुख प्राथमिकताएं बताते हुए अधिकारियों को प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध, संगठित अपराध, माफिया गतिविधियां, भूमि संबंधी अपराध, सामाजिक चुनौतियों के नए स्वरूप सामने आ रहे हैं। इनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पुलिस को तकनीकी दक्षता, संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई के साथ कार्य करना होगा।

प्रदेश को नशामुक्त बनाने जनजागरण अभियान चलाएं- मुख्यमंत्री डॉ. यादवने मध्यप्रदेश पुलिस की कार्यवाहियों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार के ढाई वर्ष के कार्यकाल में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की गई हैं। मध्यप्रदेश पुलिस के अथक प्रयासों से मंडला और बालाघाट जिले नक्सलवाद की समस्या से मुक्त हुए। मध्यप्रदेश की धरती से लाल सलाम को आखिरी सलाम किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में प्रदेश की धरती से नक्सलवाद का पूरी तरह सफाया कर दिया गया है।

सामप्रदायिक ताकतों पर नियंत्रण के लिए निरंतर सजग रहना जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार में भोजशाला से संबंधित न्यायालय के निर्णय को मध्यप्रदेश पुलिस ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर लागू कराया। भोजशाला में वसंत पंचमी के अवसर पर शांति पूर्ण स्थिति कायम रखने में भी पुलिस की अहम भूमिका रही। इसके लिए धार प्रशासन और पुलिस बल बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में साम्प्रदायिक ताकतों को नियंत्रण में रखने के लिए पुलिस को निरंतर सजग रहना होगा।

असम के जोरहाट में बड़ा विमान हादसा

वायुसेना का ट्रांसपोर्ट प्लेन क्रैश, पांच जवान शहीद

जोरहाट (असम) ■ एजेंसी

भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का एक एएन-32 परिवहन विमान शुक्रवार को असम के जोरहाट स्थित रौरिया एयरफोर्स स्टेशन पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में वायु सेना के पांच कर्मियों का सर्वोच्च बलिदान हो गया। विमान लैंडिंग के दौरान हादसे का शिकार हुआ, जिसके बाद उसमें आग लग गई।

भारतीय वायु सेना की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि भारतीय वायु सेना को असम के जोरहाट में एएन-32 विमान दुर्घटना में अपने पांच कर्मियों के निधन पर गहरा दुख है। हादसे में स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम ने कर्तव्य का पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। भारतीय वायु सेना शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है और दुख की इस घड़ी में उनके साथ मजबूती से खड़ी है।

वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पोस्ट में घटना पर दुख जताते हुए कहा, विमान दुर्घटना में पांच वायु योद्धाओं की मौत से मुझे गहरा दुख हुआ है। स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

अरुणाचल प्रदेश में सड़क हादसे में असम के पांच युवकों की मौत

सेप्पा। अरुणाचल प्रदेश के सेप्पा क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में असम के लखीमपुर जिले के पांच युवकों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवक जिस वाहन में सवार थे, वह पहाड़ी सड़क पर अचानक नियंत्रण खो बैठा और गहरी खाई में जा गिरा। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि सभी पांचों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

झारखंड के श्रद्धालुओं की कार को ट्रक ने मारी टक्कर, चार की मौत

पलामू। उत्तर प्रदेश के किछौछा शरीफ से वापस लौट रहे पलामू डालटनगंज के श्रद्धालुओं की कार को ट्रक ने टक्कर मार दी जिसमें चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक जख्मी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना आजमगढ़ जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के देवगांव इलाके में हुई। शनिवार सुबह घटना की खबर मिलते ही डालटनगंज में शोक की लहर दौड़ गई।

मध्य प्रदेश टूरिज्म को मिला 'कॉन्फ्रेंस मैनेजमेंट में उत्कृष्टता' पुरस्कार

मुंबई में 10वें डेसेनियल एक्जीबिशन एक्सीलेंस अवार्ड्स 2026 में प्रदेश को किया गया सम्मानित

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड को कॉन्फ्रेंस मैनेजमेंट में उत्कृष्टता' पुरस्कार प्राप्त हुआ है। मुंबई के सिडको एक्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में शुक्रवार की रात आयोजित प्रतिष्ठित '10वें डेसेनियल एक्जीबिशन एक्सीलेंस अवार्ड्स (ईईए) 2026' में मध्य प्रदेश टूरिज्म को 'कॉन्फ्रेंस मैनेजमेंट में उत्कृष्टता' (एक्सीलेंस 'कॉन्फ्रेंस मैनेजमेंट) का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है।

यह पुरस्कार देश के इवेंट, एक्जीबिशन और माइस (मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेसिंग एंड एक्जीबिशन) सेक्टर के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक माना जाता है। मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक दिलीप कुमार यादव ने टीम के साथ यह पुरस्कार ग्रहण किया।

गृह मंत्री अमित शाह ने सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या में हो रहे बदलावों के अध्ययन का दिया निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के अध्ययन के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति को सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या में हो रहे बदलावों का अध्ययन करने का निर्देश दिया है। उच्च स्तरीय समिति की शनिवार को यहां हुई बैठक में अमित शाह ने समिति को स्थिति का आकलन करने के लिए सीमावर्ती इलाकों, मेट्रो शहरों और औद्योगिक कस्बों का दौरा करने का भी निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने गत माह देश में असामान्य जनसंख्यिकी बदलाव और अवैध घुसपैठ के अध्ययन के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित की है।

अब एथेनॉल से दौड़ेंगे वाहन, दी गई कानूनी मंजूरी : गडकरी

एथेनॉल पंपों का देशभर में विस्तार, हवाई ईंधन की कीमत भी हुई फिक्स

नागपुर ■ एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को बताया कि देश में हरित ऊर्जा और स्वच्छ परिवहन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए 100 प्रतिशत एथेनॉल को वाहनों में उपयोग करने की कानूनी मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आवश्यक फाइल पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं और अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य देश को पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता से मुक्त करना है। नए निर्णय के बाद वाहन मालिक अपनी गाड़ियों में पेट्रोल के स्थान पर सीधे 100 प्रतिशत एथेनॉल का उपयोग कर सकेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एथेनॉल आधारित ईंधन से पर्यावरण को होने वाला नुकसान काफी कम होगा और उपभोक्ताओं को ईंधन पर कम खर्च करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अब वाहन मालिक की मर्जी है, वह गाड़ी में पेट्रोल डलवाए या एथेनॉल।

भोपाल में आंधी-बारिश ने उमस से दी राहत, इटारसी में एंबुलेंस पर गिरा पेड़

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन से पहले मौसम ने अचानक करवट ले ली है। शनिवार शाम राजधानी भोपाल सहित नर्मदापुरम, इटारसी, सीहोर, नरसिंहपुर, पचमढ़ी और पिपरिया में तेज आंधी, गरज-चमक और बारिश का दौर चला। जहां एक ओर लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली, वहीं कई इलाकों में तेज हवाओं ने नुकसान भी पहुंचाया। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि प्रदेश में मानसून 15 से 18 जून के बीच प्रवेश कर सकता है।

राजधानी भोपाल में शनिवार शाम अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। पहले करीब 30 मिनट तक तेज धूलभरी आंधी चली, जिससे सड़कों पर धूल का गुबार छा गया और दृश्यता कम हो गई। इसके बाद तेज बारिश शुरू हो गई। शहर के कलियासोत डैम क्षेत्र समेत कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर सीएक्यूएम सख्त, अगले साल से डीजल ऑटो रिक्शा होंगे पूरी तरह बंद

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार को अपनी 25वीं समीक्षा बैठक कर विभिन्न विभागों की तैयारियों और प्रवर्तन कार्रवाइयों का जायजा लिया। आयोग ने वाहन प्रदूषण, सड़क की धूल, निर्माण एवं ध्वस्तीकरण कचरा, पराली जलाने, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और औद्योगिक उत्सर्जन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने की।

रक्षा मंत्री राजनाथ ने एएफए में 217वीं संयुक्त दीक्षांत परेड का निरीक्षण करते हुए कहा-

आधुनिक युद्ध की चुनौतियों के अनुरूप खुद को रखें तैयार

हैदराबाद ■ एजेंसी

ड्रोन, एआई और साइबर तकनीक को बताया भविष्य के युद्ध की निर्णायक शक्ति

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को हैदराबाद के वायु सेना अकादमी में आयोजित 217वीं संयुक्त दीक्षांत परेड (कॉम्बाइंड ग्रेजुएशन परेड) का निरीक्षण किया और नवनियुक्त अधिकारियों से आधुनिक युद्ध की बदलती चुनौतियों के अनुरूप स्वयं को निरंतर तैयार रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्धों में ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर क्षमताएं, रोबोटिक्स और अंतरिक्ष आधारित तकनीकें निर्णायक भूमिका निभाने वाली हैं, इसलिए सैन्य अधिकारियों को तकनीकी रूप से दक्ष और रणनीतिक रूप से सजग रहना होगा।

परेड की सलामी लेने के बाद रक्षा मंत्री ने भारतीय वायु सेना में शामिल होने वाले नव-नियुक्त अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि सशस्त्र बलों में सेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक युद्धों का स्वरूप अब तेजी से बदल रहा है। पहले युद्ध सैनिकों और हथियारों की संख्या के आधार पर लड़े जाते थे, लेकिन आज युद्धक्षेत्र तकनीक आधारित हो चुका है। ड्रोन, उपग्रह, साइबर युद्ध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वायत्त हथियार प्रणाली और उन्नत निगरानी तंत्र आधुनिक सैन्य अभियानों का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में खतरे केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि डिजिटल और साइबर क्षेत्र में भी नए प्रकार की चुनौतियां सामने आ रही हैं।

इंदौर में ब्रिक्स सम्मेलन का सर्वसम्मत 'इंदौर डिक्लेरेशन' के साथ समापन, लिए गए कृषि को नई दिशा देने वाले कई ऐतिहासिक निर्णय

मानवता का पोषण, प्रकृति का संरक्षण और विश्व कल्याण का आधार है कृषि : शिवराज

इंदौर ■ एजेंसी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति सिखाती है कि कृषि केवल अन्न उत्पादन का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता के पोषण, प्रकृति के संरक्षण और विश्व कल्याण का आधार है। इसी भावना के साथ आज इंदौर में आयोजित 16वें ब्रिक्स कृषि सम्मेलन का एक सर्वसम्मत 'इंदौर डिक्लेरेशन' के साथ सफल समापन हुआ।

केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान शनिवार को इंदौर में आयोजित ब्रिक्स देशों की कृषि मंत्रिस्तरीय और अधिकारी स्तरीय बैठकों के समापन के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकट और अनिश्चितताओं के बीच ब्रिक्स देशों की यह बैठक पूरी दुनिया के लिए आशा, विश्वास और सामूहिक जिम्मेदारी का सशक्त संदेश लेकर आई है। इसमें खाद्य सुरक्षा, किसान कल्याण, जलवायु-सहनीय खेती, कृषि व्यापार और डिजिटल एग्रीकल्चर को नई दिशा देने वाले कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए।

उन्होंने बताया कि ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों और प्रतिनिधियों के साथ खाद्य सुरक्षा, पौष्टिक आहार, किसानों की आजीविका, कृषि व्यापार, नवाचार, निवेश, जलवायु-सहिष्णु खेती तथा सतत कृषि विकास जैसे विषयों पर व्यापक, सार्थक और परिणामोन्मुखी विचार-विमर्श हुआ।

कृषि मंत्रियों ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

एमपी के स्वच्छता के प्रतीक शहर इंदौर में आयोजित पांच दिवसीय ब्रिक्स देशों के उच्च स्तरीय कृषि सम्मेलन के अंतिम दिन शनिवार को ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों और प्रतिनिधियों ने शहर के मेघदूत उपवन में विकसित 'ब्रिक्स वाटिका' में फलदार पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों ने पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास का संदेश दिया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, भागीरथ चौधरी, मप्र के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक रमेश मेंदोला सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

उड़ता तीर

एसडीएम तथा शिक्षकों ने बनाई सीड बॉल्स, मिट्टी में रखे बीज

सोहागपुर ब्लॉक में सीड बॉल्स के माध्यम से एक लाख पौधे तैयार करने की प्रक्रिया जारी

सोहागपुर ■ निसं

नर्मदापुरम् कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में आगामी बरसात के दौरान सीड बॉल्स के माध्यम से लाखों पौधे तैयार करने की प्रक्रिया जारी है। जिसके तहत शनिवार को सोहागपुर एसडीएम प्रियंका भलावी की उपस्थिति में सीएम राइस स्कूल में सीड बॉल्स बनाई गई हैं।

शनिवार दोपहर एसडीएम प्रियंका भलावी तथा बीआरसी राकेश रघुवंशी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सीड बाल्स बनाईं। अधिकारियों ने बताया कि कलेक्टर नर्मदापुरम् ने इस अभियान की सफलता के लिये जिले के प्रत्येक ब्लॉक को एक-एक लाख सीड बाल्स बनाने का लक्ष्य दिया है। बीआरसी ने बताया कि बाल्स को सुखाया जाएगा तथा बाद में विद्यार्थियों के समूह बनाए जाएंगे। समूहों के माध्यम से ब्लॉक के मुख्य तथा अंदरूनी मार्गों के किनारे बरसाती मौसम में सीड बॉल्स का विस्तारण किया जाएगा। ताकि बरसात में सीड बॉल्स के गर्भ में छिपे बीज पौधों का रूप धारण कर सकें। जानकारी अनुसार सोहागपुर शिक्षा विभाग को 20 हजार सीड बाल्स बनाने का लक्ष्य दिया गया है।

जन सहयोग की अपेक्षा: प्रशासन ने जनता से सीड बॉल्स अभियान को सफल बनाने की अपील की है। एसडीएम प्रियंका भलावी ने कहा कि ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से अधिक संख्या में सीड बॉल्स बनवाई जा रही हैं। जिसमें जनता का सहयोग मिलेगा। उन्होंने विद्यार्थियों के परिजनों व आमजनों से अपील की है कि वे भी सीड की बॉल्स बनाएं।तथा आगामी बारिश में बॉल्स का रिक्त क्षेत्र में विस्तार करें। सामाजिक संस्थाओं से भी प्रशासन ने सहयोग की अपेक्षा है।उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्थाओं की सूची बनाई जा रही है। जिसके बाद संस्था प्रमुखों से संपर्क कर सीड बिल्स अभियान में सहयोग की अपील की जाएगी।

हज यात्रा से लौटने पर किया हाजियों का स्वागत

सोहागपुर ■ निसं

हज यात्रा से गत दिवस लौटे डॉ. जोएब अली तथा उनके परिजनों व सहयात्रियों का नागरिकों ने रेलवे स्टेशन पहुंचकर स्वागत किया है। बुधवार रात डॉ. अली परिजनों सहित ट्रेन से लौटे, जहां लोगों ने उनका फूलमालाओं से जोरदार अभिनंदन किया। इस दौरान मुफद्दल अली, अब्बास अली, मोइनुद्दीन खान, जुज़ार अली, मुर्तज़ा अली, अली असगर अली, यूसुफ अली आदि उपस्थित रहे। डॉ. जोएब अली ने हरिभूमि को बताया कि वे 45 दिनों से अधिक समय की मुबारक स्थल मक्का मदीना यात्रा पर गए थे। वहीं बुधवार रात को हेल्थ पर्यावरण संस्था की ओर से कृष्णा पालीवाल, ज्ञानी सुरजीत सिंह, बलवीर पवार व अन्य साथी सदस्यों ने डॉ. जोएब अली के निवास पहुंचकर उन्हें सफल हज यात्रा की बधाई दी तथा अभिनंदन किया।

पेट्रोल-डीजल के लिए लंबी कतारें, संचालक बोले ईंधन की आपूर्ति सामान्य

सिवनी मालवा। नगर के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल भरवाने के लिए भीड़ उमड़ रही है। शुक्रवार सुबह से ही पंपों के बाहर लंबी कतारें देखी जा रही हैं, जिससे वाहन चालकों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। लोग अपनी गाड़ियों के साथ घंटों लाइन में लगे हुए हैं। दोपहिया, चारपहिया वाहनों के साथ-साथ कुप्पे और टंकियां लेकर भी ग्राहक ईंधन भरवाने के लिए कतारबद्ध हैं। इस स्थिति से आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ईंधन की उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, जिसके कारण वाहन चालक पहले से ही पेट्रोल और डीजल भरवाने के लिए पंपों का रुख कर रहे हैं। शुभम रघुवंशी जैसे कई ग्राहकों ने बताया कि उन्हें कई घंटों तक इंतजार करना पड़ रहा है। कुछ लोग तो रात में ही पंप पर पहुंच गए थे। पेट्रोल पंप संचालकों ने बताया कि ईंधन की आपूर्ति सामान्य है, लेकिन अचानक बढ़ी मांग के कारण भीड़ बढ़ गई है। प्रशासन भी स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या अव्यवस्था को रोका जा सके। कुछ पेट्रोल पंपों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की व्यवस्था भी की गई है। एसडीएम विजय राय ने जानकारी दी कि पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सामान्य है। उन्होंने बताया कि कृषि कार्यों के चलते मांग में वृद्धि हुई है और एक-दो दिनों में स्थिति सामान्य हो जाएगी। एसडीएम और पेट्रोल पंप संचालकों ने लोगों से अपील की है कि वे घबराकर आवश्यकता से अधिक ईंधन न खरीदें और संयम बनाए रखें। उन्होंने आश्वस्त किया कि ईंधन की आपूर्ति निरंतर जारी है।

गांजे का कर्ज चुकाने खुद के अपहरण की रची साजिश

दोस्तों से पिता को फोन लगवाकर 2 लाख की फिरौती मंगवाई, चार आरोपियों को पकड़ा

सागर ■ निसं

सागर स्थित देवरी थाना क्षेत्र में एक 21 वर्षीय युवक द्वारा गांजे की कीमत चुकाने के लिए खुद के अपहरण की झूठी साजिश रचने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस पूरे मामले का पर्दाफाश करते हुए 'अपहृत' युवक समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। युवक ने दोस्तों के साथ मिलकर ओडिशा से ला रहे गांजे के नुकसान की भरपाई के लिए अपने ही पिता को फोन कर 2 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। पुलिस के अनुसार, ग्राम डोंगर सलैया निवासी राजेश जाटव ने 12 जून की रात देवरी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका 21 वर्षीय बेटा पवन 9 जून को दोस्त का जन्मदिन मनाने का कहकर घर से निकला था और वापस नहीं लौटा।

इसी बीच उनके मोबाइल पर अज्ञात व्यक्तियों ने कॉल कर बेटे का अपहरण करने की बात कही और उसे छोड़ने के एवज में दो लाख रुपए की फिरौती मांगी। रकम नहीं देने पर आरोपियों ने बेटे की हत्या करने की धमकी भी दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस की अलग-अलग टीमों ने जांच शुरू कर दी। पूछताछ में पता चला कि पवन और बलजीत, मुख्य साजिशकर्ता सुनील पटेल के कहने पर ओडिशा के संबलपुर से करीब 8 किलो गांजा लेकर आ रहे थे। कटनी के पास पुलिस चेकिंग की आशंका होने पर उन्होंने डर के मारे गांजे का पैकेट और पवन का मोबाइल ट्रेन से बाहर फेंक दिया था। आरोपियों का मुख्य उद्देश्य अपहरण की झूठी कहानी बनाकर पवन के पिता को डरा-धमका कर बड़ी रकम वसूलना था। हालांकि, पिता सिर्फ 30 हजार रुपए की ही व्यवस्था कर पाए थे, जिस वजह से आरोपी उन्हें लगातार गुमराह करते रहे।

थाना प्रभारी ने बताया, 'जांच में सामने आया है कि आरोपी बलजीत सिंह और फरार सुनील पटेल पूर्व में एनडीपीएस एक्ट के मामले में गाडरवारा जेल में एक साथ बंद रह चुके हैं। बलजीत की पत्नी भी मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में रायपुर जेल में बंद है।

ओडिशा से लाए थे 8 किलो गांजा, चेकिंग के डर से फेंका

पुलिस ने मोबाइल लोकेशन और तकनीकी जांच के आधार पर चितौरा टोल के पास एक कार (MP 15 C 7570) को ट्रेस किया। पुलिस ने कार सवार पवन जाटव, अरविंद दुबे, बलजीत सिंह और शुभम पटेल को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो अपहरण की झूठी कहानी का सच सामने आ गया।

नुकसान की भरपाई के लिए पिता को डराया, सिर्फ 30 हजार हुए थे जमा

गांजा खरीदने के लिए सुनील पटेल ने ऑनलाइन भुगतान किया था। गांजा नष्ट होने से हुए इस बड़े आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए सुनील ने पवन, बलजीत, शुभम और अरविंद के साथ मिलकर यह साजिश रची थी।

मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े हैं तार, मुख्य आरोपी फरार

पुलिस ने इस मामले में पवन, बलजीत, शुभम और अरविंद को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मास्टरमाइंड सुनील पटेल अभी फरार है जिसकी तलाश जारी है। देवरी थाना प्रभारी हरिराम मानकर ने बताया कि वारदात में इस्तेमाल कार और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त कर लिए गए हैं।

बड़वानी जिला मुख्यालय पर हुए हादसे ने सबको झकझोर दिया

बुजुर्ग महिला की कुत्तों के हमले से हुई थी मौत

बड़वानी ■ निसं

बड़वानी जिला मुख्यालय पर हुए हादसे ने सबको झकझोर के रख दिया है जिसमें एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई हर मामले में समाज के युवा एवं बीजेपी के पूर्व पार्षद राकेश मकवाने ने बताया कि 35 वर्षीय महिला लीला बकावले प्रतिदिन लकड़ी और भंगार बिनकर अपना और अपने परिवार का जीवन व्यापन करती थी घटना दिनांक को भी महिला लगभग 12 बजे अपने घर से लकड़ी और भंगार बिनने के लिए राजघाट रोड़ पर गई थी जहाँ पर उसपर 4 से 5 कुत्तों ने हमला कर मौत के घाट उतार दिया राकेश ने प्रशासन से मृतिका के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की भी मांग की है साथ ही इस तरह के मामले में कार्रवाई नहीं करने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है ।

राकेश ने यह भी बताया कि कुछ समय पहले चुना भट्टी इलाके में भी एक बुजुर्ग महिला की कुत्तों के हमले से मौत हो चुकी है , मृतिका लीला बाई पर ही पूरा परिवार आश्रित था मृतिका के पिता की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है पति दिलीप भी हमेशा बीमार रहते है और मासूम बच्चा है जो बोल नहीं पाता है हालांकि मामले में 3 डॉक्टरों की पैनेल ने महिला के शव का पोस्टमार्टम किया है जिसमें टीम में मौजूद अनिल सिंह जामोद जिला अस्पताल में सर्जन के पद पर पदस्थ है उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के दौरान महिला के गले , सर , हाथ और पांव पर डॉग बाइट के निशान है और इन्ही घाव में से अधिक खून बहने से मौत होना बताया है विस्तृत जांच रिपोर्ट बनाकर भेज दी जाएगी सिविल सर्जन ने बताया कि जिला अस्पताल में अब तक 800 मामले डॉग बाइट के आ चुके है ।

टूटी छतों से आई एस आर ओ तक सांदीपनि स्कूल बना ग्रामीण बच्चों की उम्मीद की किरण

सिवनी मालवा ■ निसं

एक समय जहां छतें टपकती थीं और ड्रॉपआउट रेट ने स्कूल को हाशिए पर धकेल दिया था, वही शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आज नवाचार और डिजिटल शिक्षा की मिसाल बन गया है।22 मई 2025 को मुख्यमंत्री द्वारा शुभारंभ के बाद इस ग्रामीण स्कूल ने 4 साल में तस्वीर ही बदल दी। ए आई से आई एस आर ओ तक का सफर 2021 में टूटी छतों वाले क्लासरूम आज स्मार्ट क्लास में बदल चुके हैं। एस टी ई एम लैब, एडवांस साइंस लैब और प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग के दम पर यहां के छात्र अब ए आई सीख रहे हैं। इसी का नतीजा है कि स्कूल के छात्र नमन लोवंशी का चयन आई एस आर ओ बेंगलुरु में जूनियर साइंटिस्ट के रूप में हुआ है। उनका रिसर्च पेपर जल्द प्रकाशित होगा, जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। पहले यातायात की कमी से ग्रामीण बच्चे स्कूल छोड़ देते थे। अब जी पी एस ट्रैकिंग और सीसीटीवी से लैस बसों ने सुरक्षित, समय पर पहुंच सुनिश्चित की। प्रशिक्षित स्टाफ और अभिभावकों से संवाद ने भरोसा बढ़ाया, ड्रॉपआउट रेट गिरा।यहां प्रार्थना सभा भी वाद्य यंत्रों के साथ होती है। समर कैंप में रोबोटिक्स, आर्ट-पेंटिंग, योगा और 'वेस्ट से बेस्ट' जैसी गतिविधियां बच्चों का चौमुखी विकास कर रही हैं। मुख्यमंत्री योजना के तहत छात्रों को गुजरात समेत अन्य राज्यों का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया।स्कूल द्वारा बनाया गया वायु शोधक यंत्र राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए चयनित हुआ।

मोहर्रम पर्व को लेकर थाना सेंधवा शहर पुलिस की शांति समिति बैठक संपन्न

सेंधवा ■ निसं

आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से नगर पालिका सभा गृह, सेंधवा में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुविभागीय दंडाधिकारी आशीष सिंह, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अजय वाघमारे, तहसीलदार राहुल सोलंकी, थाना प्रभारी सेंधवा शहर दिनेश सिंह कुशवाह, थाना प्रभारी सेंधवा ग्रामीण ओमप्रकाश चोंगडे, नगर पालिका उपाध्यक्ष मोहन जोशी सहित दोनों समुदायों के गणमान्य नागरिक, धर्मगुरु, त्योहार समिति के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में आगामी मोहर्रम पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, पारंपरिक रूप से त्योहार मनाने तथा आपसी भाईचारा एवं सौहार्द बनाए रखने पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक अथवा अफवाह फैलाने वाली जानकारी से बचने तथा ऐसी किसी भी सूचना की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई।

बैठक के दौरान मोहर्रम जुलूस एवं ताजियों के निर्धारित मार्गों का पूर्व निरीक्षण, यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, जुलूस मार्ग पर साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा लटकते हुए बिजली के तारों को समय पर दुरुस्त कराने के संबंध में संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अजय वाघमारे ने दोनों समुदायों के नागरिकों से पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अप्रिय स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

बैठक में उपस्थित दोनों समुदायों के गणमान्य नागरिकों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मोहर्रम पर्व पूरी अकीदत, शांति एवं आपसी सौहार्द के साथ मनाया जाएगा। साथ ही स्थानीय व्यवस्थाओं को लेकर अपने सुझाव भी दिए, जिन्हें प्रशासन द्वारा सकारात्मक रूप से स्वीकार किया गया। बैठक के अंत में सभी उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए आगामी मोहर्रम पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं दी गईं।

तहसील कार्यालय के सामने पुलिस का सघन वाहन चेकिंग अभियान

बिना हेलमेट और दस्तावेज वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर में बढ़ते यातायात दबाव और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को तहसील कार्यालय के सामने यातायात पुलिस द्वारा विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की सघन जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। यातायात प्रभारी बलराम सिरसाम ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना है। चेकिंग के दौरान वाहन चालकों से हेलमेट, सीट बेल्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, पंजीयन प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई।

पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को समझाइश देते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी दायित्व नहीं बल्कि स्वयं और परिवार की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। नियमों का उल्लंघन करने वाले कई वाहन चालकों के चालान बनाकर उन्हें भविष्य में सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई। अभियान के दौरान पुलिस बल पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चालकों में नियमों के प्रति जागरूकता देखने को मिली, वहीं आम नागरिकों ने भी सड़क सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे अभियान की सराहना की।

वार्ड वासियों में खुशी की लहर दौड़ी

पार्षद अनुराधा दीपक दीक्षित ने किया विकास कच्ची सड़क मुक्त हुआ वार्ड

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर के वार्ड क्रमांक 08 के कांग्रेस पार्षद श्रीमती अनुराधा दीपक दीक्षित के द्वारा वर्षों से चली आ रही कच्ची सड़कों की समस्या अब पूरी तरह समाप्त कर सभी सड़कों को गुणवत्ता युक्त और सीसी सड़क निर्माण करा कर वार्ड को कच्ची सड़कों से मुक्त किया।पार्षद पति दीपक दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 20 वर्षों बाद वार्ड में व्यापक स्तर पर विकास कार्य संपन्न हुए हैं। पार्षद अनुराधा दीक्षित के कार्यकाल में करोड़ों रुपये की लागत से विभिन्न निर्माण कार्य कराए गए, जिनमें अंबिका परिसर, द्वारका धाम कॉलोनी, साईं कैंपस, व्यास कॉलोनी में 5 , सीसी सड़के एवं तवा कॉलोनी में डामरीकरण ओर करोड़ो रुपए की लागत से पगारे कॉलोनी से लेकर उदय बिहार कॉलोनी तक पक्का नाला का निर्माण प्रमुख रूप से शामिल है। उन्होंने आगे बताया कि अभी वार्ड 08 में कुछ काम चल रहे है। कुछ काम होना शेष है, जैसे ही शासन से स्वीकृति मिल जाएगी, उन सभी शेष कार्यों को भी जल्द से जल्द पूर्ण किया जाएगा।

पार्षद प्रतिनिधि दीपक दीक्षित ने क्षेत्र के विकास एवं जनकल्याण कार्यों में मिले अमूल्य सहयोग के लिए पूर्व सीएमओ राकेश मिश्रा, पूर्व सीएमओ शीतल भलावी एवं वर्तमान सीएमओ अमर सिंह उईके ओर इंजीनियर राहुल शर्मा के सहयोग सराहना की । उन्होंने कहा कि प्रशासन के सहयोग से ही क्षेत्रवासियों की उम्मीदों को पूरा करने और विकास कार्यों को धरातल पर उतारने में सफलता मिली है। इसके लिए वे सदैव कृतज्ञ रहेंगे।

वहीं वरिष्ठ वार्डवासी राजेंद्र लोवंशी, सुरेश चौहान, विक्रम रघुवंशी, मनमोहन गौर, निर्भय सिंह यादव, रुक्मणि बाई लोवंशी का कहना है कि हमारे पार्षद अनुराधा दीक्षित एवं प्रतिनिधि दीपक दीक्षित जनता की समस्याएं सुनते ओर उन्हें समझते हैं। ओर उन समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण भी करते हैं।

पहले बारिश के दिनों में कीचड़ और आवागमन की समस्याओं का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब पक्की सड़कों के निर्माण से लोगों को बड़ी राहत मिली है। वार्ड में हुए विकास कार्यों से नागरिकों में खुशी का माहौल है तथा उन्होंने पार्षद अनुराधा दीपक दीक्षित के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सात वार्डो में लगा जन कल्याण एवं जन समस्या निवारण शिविर

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर पालिका परिषद द्वारा जन कल्याण एवं जन समस्या निवारण शिविर शुक्रवार एवं शनिवार के दिन नगर के सात वार्डो में लगाया गया जिसमें 12 जून.2026 शुक्रवार को वार्ड क्रमांक , 03 मैं वार्ड पार्षद नपा अध्यक्ष रितेश जैन ने

पूजन अर्चना कर शुभारंभ कर वार्ड वासियों की समस्याओं का निराकरण कर प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजना की जानकारी वार्ड वासियों देते हुए उनकी समस्याओं का तुरंत निराकरण कराया गया।

वार्ड क्रमांक एक और दो का शिविर खेड़ापति मांगलिक भवन में लगाया गया । शनिवार को रानी अवंती बाई मंगल भवन तथा गोवर्धन नाथ धर्मशाला मे 05, 06 ,07, 08, 09 ,10 में आयोजित किया गया। जिसमें वार्ड क्रमांक 01 में 02 वार्ड क्र. 03 एवं 04 में 35 आवेदन प्राप्त हुए। वहीं 12 हितग्राहियों को पट्टा वितरण किया गया। वार्ड क्रमांक 5 ,6, 7 ,8 ,9 ,10, में 50 आवेदन प्राप्त हुए साथ ही 32 हितग्राहियों को पट्टा वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में नाली निर्माण, सडक निर्माण, राशन कार्ड, पट्टा आवेदन, संबल कार्ड, मजदूरी कार्ड, अनुग्रह सहायता एवं बिजली विभाग से संबंधित समस्याएं प्राप्त हुई जिनका त्वरित निराकरण अध्यक्ष रितेश जैन एवं संबंधित वार्ड पार्षद ने कराया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष रितेश जैन द्वारा सभी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनकर सभी का निराकरण करने का सार्थक प्रयास किया गया। नाम जोड़ना, प्रधानमंत्री आवास, पट्टे बनवाना, सड़क नाली बिजली पानी, से संबंधित समस्याएं कार्यक्रम स्थल पर ही नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा हल करते हुए शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

शनिवार और रविवार को भी होगी नगदी में खाद की बिक्री

भोपाल। मध्यप्रदेश के किसानों को खरीफ सीजन में बड़ी राहत मिली है। खाद की बढ़ती मांग को देखते हुए मार्कफेड ने अब शनिवार और रविवार सहित सरकारी अवकाश के दिनों में भी नगद भुगतान पर खाद बिक्री की व्यवस्था लागू कर दी है। इस संबंध में प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी किए गए हैं। मार्कफेड के एमडी अभिजीत अग्रवाल ने बताया कि यह विशेष व्यवस्था फिलहाल अगस्त 2026 तक प्रभावी रहेगी, जिसके बाद इसकी समीक्षा की जाएगी। नई व्यवस्था से खाद वितरण केंद्रों पर किसानों की भीड़ कम होगी तथा समय पर खाद उपलब्ध हो सकेगी। साथ ही खाद की कालाबाजारी पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

45 फैक्ट्रियां अब बना सकेंगी अंतरराष्ट्रीय स्तर की शराब

भोपाल। प्रदेशभर में 45 शराब फैक्ट्रियां मौजूद हैं, जहां अब उच्च गुणवत्ता वाली अंतरराष्ट्रीय स्तर की शराब बनाई जा सकेगी, जिसमें 100 फीसदी जौ से निर्मित मॉल्ट स्प्रीट, एक्स्ट्रा न्यूटल अलकोहल, रेक्टीफाइड, ग्रेप स्प्रीट और केन ज्यूस स्प्रीट, हाई बुके स्प्रीट भी शामिल रहेगी। प्रदेश के वाणिज्यकर विभाग ने अभी मध्यप्रदेश स्प्रीट मैच्यूरेशन रुल्स का गजट नोटिफिकेशन किया है, जो प्रदेश की 11 डिस्टलरी और 34 बोटलिंग प्लांट यानी कुल 45 फैक्ट्रियों पर लागू रहेगा। इसमें अब आम, साल, सागोन के पीपों में शराब भरकर रखी जाएगी और कम से कम एक साल तक उसे लकड़ी के पीपे में रखना अनिवार्य रहेगा। लकड़ी के रंग, स्वाद और खुशबू को इस दौरान शराब अपने अंदर सोक लेती है, जिससे उसकी गुणवत्ता बढ़ जाती है। किसी भी स्प्रीट को परिपक्व तभी माना जाता है, जब उसे कम से कम एक साल तक लकड़ी के पीपे में रखा जाए। इसके लिए भी तय मानक रहेंगे। एक पीपे की अधिकतम क्षमता 700 लीटर से अधिक नहीं रहेगी और उस पर स्प्रीट का नाम, उसे भरने की तारीख सहित अन्य जानकारी देना होगी और नियम उल्लंघन पर 5 लाख का जुर्माना भी लगेगा।

स्कूल खुलने से पहले 8 बच्चों को टीसी का नोटिस

भोपाल। भोपाल के ईस्टर्न पब्लिक स्कूल (EPS) और अभिभावकों के बीच चल रहे विवाद के समाधान के लिए बीआरसीसी कार्यालय में दोनों पक्षों की बैठक बुलाई गई। बैठक में स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. फराज अहमद पहुंचे, लेकिन कुछ मिनट रुकने के बाद बिना कोई चर्चा किए बीच बैठक से ही चले गए। जांच अधिकारी बीआरसीसी अमित श्रीवास्तव ने अभिभावकों को आश्वासन दिया कि पूरे मामले की रिपोर्ट तैयार कर जिला शिक्षा अधिकारी को भेजी जाएगी और सोमवार को आगे की कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, अप्रैल-मई की भीषण गर्मी के दौरान स्कूल संचालन को लेकर विवाद शुरू हुआ था।

रविंद्र भवन में जीवंत हुआ 'काकेशिया का चॉक सर्कल'

न्याय और ममता की मार्मिक कहानी ने छुआ दर्शकों का मन

भोपाल ■ निसं

भोपाल के रविंद्र भवन में 13 जून को विश्व प्रसिद्ध नाटक 'द कॉकेशियन चॉक सर्कल' का मंचन किया गया। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय स्थित टैगोर नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के एम.ए. ड्रामेटिक्स फर्स्ट ईयर के विद्यार्थियों ने इस नाटक को मंच पर जीवंत कर दिया। रंगनिर्देशक अविजित सोलंकी ने जर्मन नाटककार बर्टोल्ट ब्रेख्त की इस कृति की मूल रंग-दृष्टि को बनाए रखा। दर्शक आखिरी तक अपनी सीटों से बंधे रहे। युद्ध, सत्ता, न्याय और मानवीय संवेदनाओं के इस मंचन को दर्शक मंत्रमुग्ध होकर निहारते रहे।

कहानी की शुरुआत काकेशिया में विद्रोह की आग भड़कने से शुरू होती है। जनाक्रोश के बीच ग्रैंड ड्यूक की सत्ता ध्वस्त हो जाती है और गवर्नर की हत्या कर दी जाती है। गवर्नर की पत्नी अपने वैभव और संपत्ति को बचाने की अफरातफरी में अपने बेटे को पीछे छोड़ देती है। ऐसे कठिन समय में ग्रुशा नामक साधारण सेविका उस बच्चे को बचाने का फैसला लेती है और अपनी जान जोखिम में डालकर उसे बचाने के लिए लंबी यात्रा पर निकल पड़ती है। युद्ध, भूख, विस्थापन और लगातार आने वाली कठिनाइयों के बीच ग्रुशा का संघर्ष नाटक की आत्मा बनकर उभरता है। छात्र

और रंगकर्मी पूर्णिमा कुमारी ने ग्रुशा की भूमिका को इतने संवेदनशील और प्रभावशाली तरीके से अपने अभिनय में उतारा कि चरित्र की पीड़ा, साहस और मातृत्व को सजीव बना दिया।

कहानी में जब सालों बाद राजनीतिक परिस्थितियां बदलती हैं और पुरानी सत्ता की वापसी होती है, तब बच्चे के अधिकार को लेकर विवाद खड़ा हो जाता है। यह मामला अज़दक की अदालत तक पहुंचता है। एक ऐसे न्यायाधीश के सामने, जो कानून की किताब से ज्यादा न्याय की भावना को महत्व देता है। वह बच्चे को लेकर ऐसा फैसला करता है जो यह संदेश देता है कि किसी वस्तु या व्यक्ति पर अधिकार उसी का होना चाहिए जो उसकी सबसे अच्छी देखभाल करता है। वहां एक अनोखी परीक्षा के जरिए यह तय किया जाता है कि बच्चे का वास्तविक अधिकार किसे मिलना चाहिए।

युद्ध, सत्ता, न्याय और मानवता की पृष्ठभूमि में रचा गया यह नाटक स्वामित्व और उत्तरदायित्व के गहरे प्रश्न उठाता है। अज़दक की भूमिका में विजय सरदार ने अपनी सशक्त प्रस्तुति से दर्शकों का ध्यान खींचा। उनका किरदार कानून और न्याय के बीच के अंतर को सामने लाता है। वहीं लवकुश कुमार पंडित ने गवर्नर और आशुतोष अग्निहोत्री ने गवर्नर की पत्नी का किरदार बखूबी निभाया। इसके अलावा सुमित कुमार सागर ने साइमन शाशवा और दक्ष कौशिक ने संदेशवाहक एवं लावरेन्ती वस्नाद्ज़े की भूमिकाओं में प्रभावी अभिनय किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीसी के माध्यम से जिला कलेक्टर्स को किया संबोधित

समान नागरिक संहिता पर जनसामान्य के सुझावों के अनुसार किया जाएगा नीति निर्माण : मुख्यमंत्री

- **बेहतर नीति निर्माण के लिए बेहतर जनभागीदारी आवश्यक**
- **प्रदेशवासी, अधिक से अधिक संख्या में दें सुझाव**
- **शासकीय अधिकारी-कर्मचारी भी समान नागरिक संहिता के संबंध में भी अपने सुझाव दें**
- **सुझाव आमंत्रित करने जिलों में चलाया जाए जागरूकता अभियान**
- **समान नागरिक संहिता के बारे में 22 जून तक आमंत्रित हैं**

वेबसाइट पर देना है सुझाव : सरल है प्रक्रिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समान नागरिक संहिता के बारे में 22 जून तक सुझाव आमंत्रित हैं। इसके लिए विशेष रूप से वेबसाइट ucc.mp.gov.in का विमोचन किया गया है, जिस पर सुझाव देने की प्रक्रिया बहुत सरल है। वेबसाइट के फॉर्म में केवल नाम, लिंग, धर्म, संभाग, जिला, पता और मोबाइल नंबर अंकित करना है। कुल 12 प्रश्नों का उत्तर हाँ या ना में दिया जाना है। मोबाइल ओटीपी से सत्यापित करने से सुझाव जमा हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस संबंध में जिला स्तर पर संचालित गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त की।

भोपाल ■ निसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समान नागरिक संहिता के संबंध में नीति निर्माण जनसामान्य के सुझावों के आधार पर किया जाएगा। बेहतर नीति निर्माण के लिए बेहतर जनभागीदारी आवश्यक है। प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक संख्या सुझाव आमंत्रित करने के लिए सभी जिलों में जागरूकता अभियान चलाया जाए। नगरीय क्षेत्रों के साथ-साथ ग्राम स्तर तक नागरिकों को अपना अभिमत देने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। नगरीय स्तर पर स्कूल-कॉलेजों में गतिविधियां संचालित करें, सामाजिक-व्यापारिक संस्थाओं, बार कॉउंसिल आदि में चर्चा के सत्र आयोजित कर जनसामान्य से अपनी राय प्रकट करने के लिए कहा जाए। शासकीय अधिकारी-कर्मचारी भी समान नागरिक संहिता के संबंध में भी अपने सुझाव दें। ग्राम स्तर पर रोजगार सहायक, पंचायत सचिव आदि इस विषय पर चर्चा को प्रोत्साहित करें। इस संबंध में विशेष ग्राम सभा की बैठक भी आयोजित की जा सकती है। सभी जिला कलेक्टर इस गतिविधि को प्राथमिकता पर लें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश शनिवार को समान नागरिक संहिता जागरूकता अभियान पर जिला कलेक्टर्स की वीसी में दिए। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में आयोजित बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, श्री अनुपम राजन और शिवशेखर शुक्ला उपस्थित थे।

जागरूकता बढ़ाना आवश्यक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समान नागरिक संहिता के उद्देश्य और प्रक्रिया की जानकारी का विस्तार करने के लिए जनप्रतिनिधियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की जरूरत बताई। उन्होंने स्व-सहायता समूहों, महिला मंडलों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में विभिन्न व्यक्तिगत तथा पारिवारिक विधियों के अंतर्गत विवाह, विवाह-विच्छेद, भरण-पोषण, उत्तराधिकार आदि विषयों से संबंधित पृथक-पृथक प्रावधानों का समग्र परीक्षण कर विधिक संरचना विकसित करने की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए राज्य शासन द्वारा विषय के विधिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक पहलुओं का विस्तृत अध्ययन कर समान नागरिक संहिता के संबंध में अनुशंसाओं को प्रस्तुत करने के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा जिलों का भ्रमण कर लोगों को अपने सुझाव प्रेषित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

राज्यमंत्री गौर ने किया निर्माणाधीन 10 लेन सड़क का जायजा

गुणवत्तापूर्ण निर्माण और सुगम यातायात सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : राज्यमंत्री

भोपाल ■ निसं

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने शनिवार को निर्माणाधीन 10 लेन सड़क के कार्य का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में अभूतपूर्व विकास कार्य हो रहे हैं। यह 10 लेन सड़क परियोजना भी इसी तीव्र विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि 10 लेन सड़क का यह निर्माण कार्य हर हाल में अगस्त 2027 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने निर्माण कार्य में सामने आ रही व्यवस्थागत समस्याओं एवं अव्यवस्थाओं को गंभीरता से लिया और इनके शीघ्र निराकरण के लिये संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने निर्माण एजेंसी और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि निर्माण कार्य के दौरान आम नागरिकों को यातायात, आवागमन एवं अपनी दैनिक गतिविधियों में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मौसम बदलने पर होने वाले जुकाम-बुखार को न लें हल्के में

मामूली इन्फेक्शन भी बन सकता है टीबी की वजह

भोपाल ■ निसं

बदलते मौसम में फ्लू एक आम समस्या मानी जाती है। शरीर में दर्द, बुखार और जुकाम इसके आम लक्षण माने जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं फ्लू सिर्फ कुछ दिनों की परेशानी नहीं है। यह टीबी जैसी गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ाता है। एक नई मेडिकल स्टडी में यह बात सामने आई है कि फ्लू होने से व्यक्ति में टीबी होने का खतरा बढ़ जाता है।

मेडिकल जर्नल नेचर कम्युनिकेशंस में पब्लिश इस स्टडी के मुताबिक, फ्लू का वायरस हमारे शरीर के इम्यून पाथवे को कमजोर कर देता है, जो टीबी के बैक्टीरिया को रोकने का काम करता है। इस रिसर्च में फ्लू से इन्फेक्टेड वॉलुएंटीयर्स के ब्लड सैंपल की जांच की गई, जिसमें देखा गया कि एक इन्फेक्शन से हमारा इम्यून सिस्टम कैसे लड़ता है, जिससे यह पता चल सके कि हम दूसरे इन्फेक्शन से कैसे लड़ेंगे। यानी फ्लू का वायरस शरीर की टीबी से लडने की ताकत कम कर देता है। इस स्टडी में इस समस्या से बचाव के लिए सुझाव दिया गया है कि वैक्सीनेशन से फ्लू को रोका जाए, तो टीबी के मामलों में कमी आ सकती है। हालांकि, इसके लिए अभी क्लीनिकल ट्रायल्स की जरूरत है कि क्या सीजन फ्लू वैक्सीन टीबी के रिस्क को कम करने में मददगार साबित हो सकती है। भारत में फ्लू की एक वैक्सीन की कीमत लगभग दो हजार रुपए है। ऐसे में पूरे देश में टीबी रोकने के लिए फ्लू का टीका लगाना जेब पर भारी पड़ सकता है। एक्सपर्ट्स का यह भी मानना है कि इसका कोई खास सार्वजनिक स्वास्थ्य लाभ नहीं मिलेगा।

शिव चतुर्दशी पर विशेष अभिषेक एवं सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ सम्पन्न

आज रविवार को दादाजी धाम में स्वच्छता अभियान तथा श्राद्ध अमावस्या पर पितृ-स्मरण एवं तर्पण का होगा आयोजन

भोपाल ■ निसं

जागृत एवं दर्शनीय तीर्थस्थल दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर, भोपाल में शनिवार को शिव चतुर्दशी के पावन अवसर पर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सायंकाल पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में पंडित राजेन्द्र पलिया के द्वारा उपस्थित महिलाओं को विधिवत पूजन कराया गया। इसके पश्चात भगवान शिव एवं माता पार्वती का दुग्ध, दधि तथा पवित्र जल से विशेष अभिषेक सम्पन्न हुआ।

अभिषेक के उपरांत शिवलिंग का रुद्राक्ष मालाओं से भव्य श्रृंगार किया गया। विधि-विधान से पूजन, महाआरती एवं शिव महिमा का गुणगान किया गया। आरती के

पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ कर वातावरण को भक्तिमय बनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी जनों ने सहभागिता कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव एवं मंदिर व्यवस्था समिति ने बताया कि आज रविवार, 14 जून को मंदिर चलो स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जाएगा। यह अभियान स्वच्छ मंदिर, स्वच्छ मन, स्वस्थ समाज के संकल्प के साथ दादाजी धाम मंदिर व्यवस्था समिति एवं नामदेव विकास परिषद, मध्य प्रदेश के तत्वावधान में संचालित होगा।

अभियान प्रातः 7:00 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं, समाजजनों एवं सेवाधारियों को सादर आमंत्रित किया गया है। आयोजन का उद्देश्य मंदिर परिसर को स्वच्छ, सुंदर एवं पवित्र बनाए रखने के साथ समाज में स्वच्छता, सेवा एवं संस्कारों के प्रति जागरूकता का प्रसार करना है।

इसके अतिरिक्त 14 जून को श्राद्ध अमावस्या के अवसर पर पितृ-स्मरण, तर्पण एवं पुण्य कर्मों का विशेष आयोजन भी किया जाएगा। श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया गया है।

दशकों बाद बन रहा दुर्लभ संयोग

कल सोमवती अमावस्या पर अमृत सिद्धि योग; कई गुना पुण्य फल मिलेगा

भोपाल ■ निसं

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की अमावस्या इस बार सोमवार को होने से सोमवती अमावस्या कहलाएगी। 15 जून को सोमवार के दिन मृगशिरा नक्षत्र एवं शूल-गंड योग में वृषभ उपरांत मिथुन राशि के चंद्रमा की साक्षी में अमावस्या पुरुषोत्तम मास की पूर्णता के साथ आएगी। सोमवार को अमावस्या समाप्त होते ही अधिक मास भी पूर्ण हो जाएगा। इसके बाद शुद्ध ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष का आरंभ होगा।

पंडित अमर डिब्बेवाला ने बताया कि इस बार अमावस्या पर बनने वाले अमृत सिद्धि योग का विशेष महत्व है। इस दिन देव, ऋषि, पितृ एवं दिव्य मनुष्य तर्पण विधान के साथ तीर्थ श्राद्ध तथा पितरों के निमित्त किए गए कामना-परक श्राद्ध का कई गुना पुण्य फल प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि मध्यरात्रि में साधना करने वाले साधकों और उपासकों के लिए भी यह समय विशेष ऊर्जा प्रदान करने वाला रहेगा। इस दृष्टि से अमृत सिद्धि योग में किए गए धार्मिक कार्यों का पुण्य अमृत तुल्य माना जाएगा। धार्मिक उपासना के लिए यह अमावस्या अत्यंत महत्वपूर्ण है। दशकों बाद इस प्रकार का शुभ संयोग बन रहा है।

दिन में सूर्य का मिथुन राशि में प्रवेश

पुरुषोत्तम मास के कृष्ण पक्ष की यह अमावस्या उदयकाल से स्पर्श में रहेगी, किंतु दर्श अमावस्या होने के कारण इसका प्रभाव पूरे दिन रहेगा। साधना, उपासना और आराधना की दृष्टि से भी यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी गई है। इसी दिन दोपहर 12 :32 बजे सूर्य वृषभ राशि को छोड़कर मिथुन राशि में प्रवेश करेगा।

अधिक मास में दान-धर्म नहीं कर पाए तो अमावस्या पर करें: पुरुषोत्तम मास में जो उपासक, साधक, दर्शनार्थी या यात्री किसी कारणवश दान-धर्म अथवा धार्मिक अनुष्ठानों में भाग नहीं ले पाए हों, वे इस अमावस्या पर संकल्प के अनुसार अपने इष्ट की सिद्धि और पितरों की प्रसन्नता के लिए धार्मिक कृत्य कर सकते हैं।

कलाव्योम फाउंडेशन के मासिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में भव्य कवि सम्मेलन सम्पन्न

भोपाल ■ निसं

कला, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से कार्यरत कलाव्योम फाउंडेशन द्वारा अक्षदा सोशल वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से आयोजित मासिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत इस माह भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन कुबेर बैंक्वेट, बाग मुगलिया में सम्पन्न हुआ। साहित्यिक गरिमा और सांस्कृतिक चेतना से परिपूर्ण इस आयोजन में शहर के साहित्यप्रेमियों, कवियों, शायरों, कलाकारों, शिक्षाविदों तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम ने काव्य, शायरी और मानवीय संवेदनाओं के माध्यम से समाज में प्रेम, सौहार्द और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रसार का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं परिचय के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रसिद्ध शायरा एवं मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी, वरिष्ठ श्रृंगार कवि डॉ. अरुण अज्ञानी, प्रसिद्ध लेखक एवं मध्यप्रदेश प्रशासनिक सेवा के अधिकारी डॉ. जीवन रजक तथा युवा शायर श्री चित्रांश खरे ने अपनी सशक्त एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सम्मेलन में डॉ. नुसरत मेहदी ने अपनी संवेदनशील शायरी के माध्यम से प्रेम, इंसानियत और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उनकी प्रस्तुति ने श्रोताओं के हृदय को गहराई से स्पर्श किया। उन्होंने कहा-

वो एक चेहरा है क्यों उसको
आईना कह दूँ
वो आदमी है तो कैसे उसे खुदा
कह दूँ
कोई ज़रूरी नहीं है कि मैं हर
इक युग में
कहा हुआ ही सुनूं और सुना
हुआ कह दूँ'

इन पंक्तियों ने सभागार में उपस्थित सभी लोगों को मानवीय मूल्यों और सामाजिक सौहार्द की महत्ता का स्मरण कराया। उनकी शायरी में जीवन के अनुभव, संवेदनशीलता और समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का सुंदर समन्वय दिखाई दिया।

वरिष्ठ श्रृंगार कवि डॉ. अरुण अज्ञानी ने अपने विशिष्ट अंदाज़ में प्रेम, आत्मीयता और मानवीय संबंधों की भावनाओं को स्वर दिया। उनकी रचनाओं में भावनात्मक गहराई और सहज अभिव्यक्ति का सुंदर संगम दिखाई दिया। उनकी पंक्तियाँ- 'भावना को मेरी जो नहीं जानता, मैं भी उसको अपना नहीं मानता।' ने श्रोताओं की खूब वाहवाही प्राप्त की। उनकी प्रस्तुति ने यह संदेश दिया कि संबंधों की वास्तविक नींव संवेदनाओं और आपसी समझ पर आधारित होती है।

प्रसिद्ध लेखक एवं मध्यप्रदेश प्रशासनिक सेवा के अधिकारी डॉ. जीवन रजक ने अपनी विचारोत्तेजक कविता के माध्यम से वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों पर सार्थक टिप्पणी की।

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल में अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताओं का प्रथम दौर सफलतापूर्वक संपन्न

भोपाल ■ निसं

राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों में हिंदी में कार्य करने की रुचि विकसित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली त्रिस्तरीय हिंदी प्रतियोगिताओं के अंतर्गत सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल में तीन दिवसीय 'अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताएं-2026' के प्रथम दौर का सफल आयोजन किया गया।

मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री प्रफुल्ल वी. कोहाड़े के संरक्षण में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में कारखाना के तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए राजभाषा हिंदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और दक्षता का परिचय दिया। प्रतियोगिताओं के प्रथम

दिवस 'राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में सोशल मीडिया की भूमिका' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने विचारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया। द्वितीय दिवस कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'हिंदी टिप्पणी एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों ने प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के उपयोग संबंधी अपनी दक्षता का प्रदर्शन किया।

तीसरे एवं अंतिम दिवस आयोजित 'हिंदी वाक् प्रतियोगिता' में प्रतिभागियों ने अपने वक्तृत्व कौशल, तार्किक क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के मूल्यांकन हेतु गठित त्रिसदस्यीय निर्णायक मंडल में आर.के. उपाध्याय (एसएमटी), प्रशांत नरसिंहपुरकर (सहायक कार्य प्रबंधक) एवं राकेश कुमार रंगा (सहायक सामग्री प्रबंधक) शामिल रहे।

अनमोल वचन

बदलाव प्रारम्भ में सबसे कठिन, मध्य में सबसे बेकार और अंत में सबसे अच्छा होता है।
राबिन शर्मा

यदि हमारे मन में शांति नही है तो इसकी वजह है कि हम यह भूल चुके है कि हम एक दुसरे के है।
मदर टेरेसा

सम्पादकीय

घर के कामकाज और जिम्मेदारी को संभालेंगे रोबोट

तकनीकी अब घर-घर में पहुंचने की तैयारी में है। दुनिया में इस समय एआई का बोलवाला है। सारी दुनिया के देशों में एआई तकनीकी पर आधारित रोबोट बनाए जा रहे हैं। हर देश में यह रोबोट अपने-अपने तरीके से परंपरागत रूप से काम करने की तकनीकी सीख रहे हैं। इन्हें इंसानों के बीच में किस तरह से किस देश में काम होते हैं उसकी जानकारी देकर रोबोट को इस बात के लिए तैयार कर रहे हैं कि वह समाज की जरूरत पर पूरी तरह से कारगर हो। भारत में जो रोबोट तैयार किये जा रहे हैं उन्हें कारखाने और घरेलू कामकाज के लिए तैयार किया जा रहा है। कारखाने में जिस तरह से मजदूर काम करते हैं उन्हीं कामों को अब रोबोट से कराने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके साथ ही घरेलू कामकाज में चरणबद्ध तरीके से रोबोट अपना काम कर सकें इसके लिए उन्हें रोटी बनाना, सब्जी बनाना, यहां तक कि किस सब्जी में कितने मसाले का उपयोग करना है, घर के कामकाज में कपड़े धोने से लेकर बेडशीट बिछाकर घर की साफ सफाई करना, साइकिल चलाना, सड़क पार करना, कपड़ों पर प्रेस करना और पौधों को पानी देने के साथ ही साथ पौधों का रखरखाव करने जैसे काम करने वाले रोबोट तैयार किया जा रहे हैं। इसके लिए लगातार प्रयास शुरू हो गए हैं। इसे देखते हुए संभावना व्यक्त की जा रही है कि साल-दो-साल में भारत के प्रमुख शहरों में कामकाजी रोबोट के शोरुम खुल जाएंगे। रोबोटिक में इमिटेशन लर्निंग के सटीक कार्यों की जानकारी के लिए जो कुशल मजदूर हैं और ग्रहणी के रूप में जो महिलाएं काम कर रही हैं वह अपने वीडियो तैयार करके कंपनियों को उपलब्ध करा रहे हैं। इससे उन्हें कमाई भी हो रही है और रोबोट तैयार करने वाले इंजीनियरों को रोबोट और सॉफ्टवेयर तैयार करने में मदद मिल रही है। इस कार्य को करने के लिए जो वीडियो बनाकर कमाई शुरू हुई है उसमें कामगार को अपने काम को व्यवस्थित रूप से करने और बारीकी से उसे समझाने में मदद मिल रही है। इसी तरह से घरेलू काम के लिए घरेलू महिलाओं और घरेलू कामकाज करने वाली कामगार की सहायता ली जा रही है। रील और वीडियो के माध्यम से यह एक नया रोजगार बन रहा है जो सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी तेजी के साथ प्रचलित होता चला जा रहा है। घरेलू कामगारों के लिए कम से कम 30 मिनट का वीडियो तैयार करना होता है, इस वीडियो का उपयोग जो भी कंपनी करती है, वो उसका भुगतान भी करती है। इसी तरह से मजदूर जो भवन निर्माण एवं अन्य कामों में लगे हुए हैं वह अपने-अपने काम और अनुभव के आधार पर वीडियो तैयार कर रहे हैं, इससे उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी कमाई हो रही है। सबसे बड़ी बात यह है अलग-अलग क्षेत्र के लिए अलग-अलग भाषा में काम करने वाले कामगार रोबोट तथा घरेलू कामकाज के लिए रोबोट तैयार करने का सिलसिला भारत में बड़ी तेजी के साथ चल पड़ा है। आने वाले दिनों में अब एआई तकनीकी से तैयार रोबोट बड़ी मात्रा में बिकने के लिए उपलब्ध होंगे, जो कंपनियां रोबोट तैयार कर रहे हैं वह इस बात पर विशेष ध्यान दे रही हैं। जो रोबोट तैयार हों वह विभिन्न भाषा में, विभिन्न संस्कृति के अनुसार, कारखाने और घरेलू कामकाज के लिए पूरी तरह से काम कर सकें। आने वाले दिनों में झाड़ू-पोछा से लेकर रोटी बनाने, बुजुर्गों को टहलाने, बच्चों को खिलाने, बागवानी करने और अन्य काम अब घर घर में रोबोट करते हुए देखे जा सकेंगे। जिस तरह से एआई तकनीकी के माध्यम से परिवर्तन आ रहे हैं उसको देखते हुए यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि करोड़ों लोग जो मजदूरी और घरों के कामकाज में रोजगार प्राप्त करते थे वह बेरोजगार हो सकते हैं। यह एक बड़ी आशंका भारत सहित दुनिया के सभी देशों को परेशान कर रही है। लेकिन तकनीकी का विकास अपनी जगह है, इसके साथ तालमेल बिठाकर काम करने की जरूरत है। यह सबसे बड़ी चुनौती है, जिसके कारण सारी सामाजिक व्यवस्था और संस्कृति प्रभावित होने जा रही है। भारत सरकार अभी इस संबंध में कोई कानून लेकर नहीं आई है। किस तरह से सामाजिक, आर्थिक रूप से यह परिवर्तन लोगों को प्रभावित करेगा इसको लेकर भारत से दुनिया के सभी देशों में चिंता देखने को मिल रही है। तकनीकी का विकास पारिवारिक एवं आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। तकनीकी का अंधाधुंध विकास सामाजिक व्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। इसका ध्यान रखने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

धर्म का मूल केंद्र है वर्तमान

धर्म जगत ने धर्म को केवल परलोक के साथ जोड़कर भारी भूल की है। इसका परिणाम यह हुआ कि धर्म का असली प्रयोजन तिरोहित हो गया। वह स्वर्ग-सुखों के प्रलोभन और नरक-दुख के भय से जुड़ गया। हर धर्म-प्रवर्तक ने धर्म को जीवन से जोड़ा, किंतु धर्म-परंपराओं ने उसे स्वर्ग और नरक से जोड़ दिया। धर्म का मूल केंद्र वर्तमान है न कि भूत और भविष्य। हम वर्तमान क्षण को कैसे जियें, धर्म का सारा दर्शन इसी पर टिका हुआ है। वर्तमान विषम है तो भविष्य भी विषम होगा। यदि वर्तमान सम और सुखमय है तो भविष्य भी सम और सुखमय ही होगा। यानी भविष्य वैसा ही होगा जैसा वर्तमान है। इसीलिए धर्म का असली प्रयोजन वर्तमान को सजाने-संवारने का है। इस केंद्रीय विचार से भटक जाने के कारण धर्म भूत और भविष्य में उलझ गया। वर्तमान को उसने बिल्कुल ही भुला दिया। इसलिए लोगों ने वर्तमान को केवल अतीत का परिणाम मान लिया। इससे भाग्यवाद की विचारधारा का जन्म हुआ। भाग्य को बदला नहीं जा सकता, इसलिए वे वर्तमान से विमुख हो गए और भविष्य की चिंता में पड़ गए। जिसके पास कोठी, महंगी कार और विदेशों में छुट्टी मनाने के साधन हैं, वे अतीत के परिणाम हैं। जो वैभव-संपन्न नहीं हैं, वे जप-तप में इसलिए लगे हैं ताकि भविष्य में भी साधन-संपन्न बन सकें। ऐसे में धर्म का पूरा उद्देश्य ही बदल गया। जो आत्म-केंद्रित था, वह वस्तु-केंद्रित हो गया। जो वस्तु-विमुख था, वह वस्तु-सम्मुख बन गया। इसी विचार के फलस्वरूप धर्म के नाम पर व्यापार और सौदेबाजी चलने लगी। जहां भी प्रलोभन और भय है वहां धर्म नहीं है। धर्म है आत्म उज्ज्वलता का साधन। धर्म है सोई हुई शक्तियों के पुनर्जागरण का उपादान। यह है आत्म-स्वभाव में रमण। धर्म ही है आत्म शांति और विश्व शांति का एकमात्र साधन। वर्तमान जीवन को आनंदपूर्ण बनाने का गुर। भगवान महावीर ने कहा है- आत्मा ही नरक है, आत्मा में ही स्वर्ग है, आत्मा में ही बंधन है, आत्मा में ही मोक्ष है। जिसके भीतर नरक नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी नरक नहीं। जिसके भीतर स्वर्ग नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी स्वर्ग नहीं।

ऑपरेशन मिलाप

बिछड़ों को अपनों से मिलाने का मानवीय अभियान

कांतिलाल मांडोत

गुजरात पुलिस द्वारा चलाया गया 'ऑपरेशन मिलाप' इसी मानवीय संवेदना का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया है। इस विशेष अभियान के अंतर्गत मात्र एक महीने में 1470 गुमशुदा व्यक्तियों को खोजकर उनके परिवारों से मिलाया गया। यह केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि हजारों टूटते हुए परिवारों के जीवन में आशा, विश्वास और खुशियों की वापसी का अभियान है।

गुमशुदगी केवल एक व्यक्ति का खो जाना नहीं, बल्कि पूरे परिवार की सांसों में उतर जाने वाला दर्द है किसी घर का बेटा, बेटी, बहन, भाई या माता-पिता अचानक लापता हो जाएं तो उस परिवार पर क्या गुजरती है, इसका अंदाजा वही लगा सकता है जिसने इस पीड़ा को करीब से महसूस किया हो। गुमशुदगी केवल किसी व्यक्ति का घर से दूर हो जाना नहीं है, बल्कि यह पूरे परिवार की खुशियों, उम्मीदों और मानसिक शांति के खो जाने जैसा होता है। हर गुजरते दिन के साथ परिजनों की चिंता बढ़ती जाती है। हर दरवाजे की आहट उन्हें उम्मीद देती है कि शायद उनका अपना लौट आया हो। हर फोन कॉल उन्हें चौंका देती है। ऐसे में जब वर्षों या महीनों से बिछड़ा कोई व्यक्ति अचानक परिवार से मिल जाता है तो वह क्षण किसी चमत्कार से कम नहीं होता।

इस अभियान में 852 महिलाओं, 342 पुरुषों तथा 276 नाबालिग बच्चों और किशोरियों को खोजकर उनके परिजनों तक पहुंचाया गया। विशेष रूप से यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि बड़ी संख्या में किशोरियां और महिलाएं अपने परिवारों से बिछड़ गई थीं। ऐसे मामलों में समय के साथ परिवारों की चिंता कई गुना बढ़ जाती है। उन्हें हर पल किसी अनहोनी की आशंका सताती रहती है। ऐसे में पुलिस द्वारा इन लोगों को सुरक्षित ढूंढ़ निकालना निश्चित रूप से सराहनीय कार्य है।

गुजरात पुलिस ने केवल औपचारिक जांच तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि पुराने और लंबित मामलों को दोबारा खोलकर नए सिरे से जांच की। आधुनिक तकनीक, मोबाइल फोन विश्लेषण, सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी, विभिन्न राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों और आश्रय गृहों की जांच जैसे अनेक माध्यमों का उपयोग किया गया। शिकायतकर्ताओं और गवाहों से दोबारा संपर्क कर नए सुराग जुटाए गए। यह दर्शाता है कि यदि इच्छाशक्ति और संवेदनशीलता हो तो वर्षों पुराने मामलों में भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

सूरत पुलिस द्वारा सर्वाधिक 341 गुमशुदा व्यक्तियों का पता लगाना भी इस बात का प्रमाण है कि स्थानीय स्तर पर समर्पित प्रयास किस प्रकार बड़े परिणाम दे सकते हैं। पुलिस और प्रशासन की यह सक्रियता उन परिवारों के लिए राहत का कारण बनी है जो वर्षों से अपने प्रियजनों की प्रतीक्षा में दिन गिन रहे थे।

इस अभियान का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इससे समाज के सामने गुमशुदगी के वास्तविक कारण भी उजागर हुए हैं। पुलिस के विश्लेषण में सामने आया कि 14 से 17 वर्ष की आयु वर्ग की अनेक किशोरियां प्रेम संबंधों, पारिवारिक विवादों, अभिभावकों की डांट-फटकार अथवा पढ़ाई में असफलता जैसी परिस्थितियों के कारण घर छोड़कर चली गई थीं। कुछ मामले रोजगार की तलाश में पलायन करने वाले परिवारों से भी जुड़े पाए गए।

यहां एक गंभीर सामाजिक संदेश छिपा हुआ है। जीवन में कठिनाइयां, असफलताएं, पारिवारिक मतभेद या भावनात्मक उलझनें आना स्वाभाविक है। किशोरावस्था में भावनाएं अधिक संवेदनशील होती हैं और कई बार छोटी घटनाएं भी बहुत बड़ी लगने लगती हैं। लेकिन घर छोड़ देना किसी समस्या का समाधान नहीं है। यह निर्णय क्षणिक आवेश में लिया जा सकता है, पर उसके परिणाम बहुत गंभीर होते हैं। कई बार बच्चों और किशोरों को लगता है कि उनके जाने से परिवार को कोई फर्क नहीं पड़ेगा या कुछ दिनों बाद सब सामान्य हो जाएगा। वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत होती है। जिस दिन कोई बच्चा या किशोर घर से लापता होता है, उसी दिन से उसके माता-पिता का चैन और नींद समाप्त हो जाती है। मां की आंखें दरवाजे पर लगी रहती हैं। पिता बाहर से मजबूत दिखने का प्रयास करता है, लेकिन भीतर से टूट चुका होता है। भाई-बहन चिंता और असुरक्षा के बीच जीते हैं। पूरा परिवार हर संभावित स्थान पर तलाश करता है, पुलिस थानों के चक्कर लगाता है और अनिश्चितता के अंधेरे में जीवन बिताता है।

गुमशुदगी का दर्द केवल भावनात्मक नहीं होता, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से भी परिवारों को प्रभावित करता है। अनेक परिवार अपनी बचत तक खर्च कर देते हैं। कई लोग कामकाज छोड़कर अपने प्रियजन की तलाश में जुट जाते हैं। मानसिक तनाव के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न होने लगती हैं। इसलिए किसी भी परिस्थिति में घर छोड़कर चले जाना न तो समझदारी है और न ही समस्याओं का समाधान। आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवारों और बच्चों के बीच संवाद को मजबूत बनाया जाए। अभिभावक बच्चों की भावनाओं को समझें और बच्चे अपने माता-पिता पर विश्वास करें। यदि पढ़ाई में असफलता मिली है, किसी बात पर डांट पड़ी है या जीवन में कोई परेशानी आई है, तो उसका समाधान बातचीत से निकाला जा सकता है। परिवार ही वह स्थान है जहां व्यक्ति को सबसे अधिक सुरक्षा, प्रेम और सहयोग मिलता है।

ऑपरेशन मिलाप की सफलता केवल आंकड़ों में नहीं मापी जा सकती। इसकी वास्तविक सफलता उन हजारों मुस्कानों में दिखाई देती है जो बिछड़ने के बाद फिर से लौट आईं। उन माताओं की आंखों में दिखाई देती है जिन्होंने वर्षों बाद अपने बच्चों को गले लगाया। उन परिवारों की खुशी में दिखाई देती है जिनकी उम्मीदें लगभग समाप्त हो चुकी थीं। यह अभियान यह भी सिद्ध करता है कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने वाली संस्था नहीं है, बल्कि समाज के दुख-दर्द में सहभागी बनने वाली संवेदनशील व्यवस्था भी है। जब पुलिस किसी गुमशुदा व्यक्ति को उसके परिवार तक पहुंचाती है, तब वह केवल एक केस बंद नहीं करती बल्कि एक टूटे हुए परिवार को फिर से जोड़ती है। ऑपरेशन मिलाप ने हजारों परिवारों को नई जिंदगी दी है। यह अभियान मानवता, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। साथ ही यह हम सभी को यह संदेश भी देता है कि जीवन की किसी भी कठिन परिस्थिति में घर और परिवार से दूर जाना समाधान नहीं है। संवाद, धैर्य और विश्वास ही हर समस्या का सबसे मजबूत उत्तर हैं। यदि यह संदेश समाज के प्रत्येक बच्चे और किशोर तक पहुंच जाए तो शायद भविष्य में अनेक परिवार गुमशुदगी की उस पीड़ा से बच सकेंगे, जिसे शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना संभव नहीं है।

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

डॉ. सत्यवान सौरभ

इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल रणनीतिक हितों से संचालित नहीं होते, बल्कि उनमें संवेदनशीलताओं, जनभावनाओं और पारस्परिक सम्मान का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है। भारत और बांग्लादेश लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जो भारत की किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है।

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कूटनीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पाँच दशकों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत की पड़ोसी प्रथम नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख विदेश नीति ने भी संबंधों को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल रणनीतिक हितों से संचालित नहीं होते, बल्कि उनमें संवेदनशीलताओं, जनभावनाओं और पारस्परिक सम्मान का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है। भारत और बांग्लादेश लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जो भारत की किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है। दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक संबंध मौजूद हैं। पिछले एक दशक में भूमि सीमा समझौता, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग, ऊर्जा व्यापार तथा क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। बांग्लादेश आज भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य भूमि से जोड़ने में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है।

हाल के समय में बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में हुए बदलावों ने द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित किया है। सत्ता परिवर्तन, राजनीतिक अस्थिरता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण भारत की भूमिका को लेकर अलग-अलग धारणाएँ विकसित हुई हैं। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक समूहों में यह धारणा बनी कि भारत किसी विशेष राजनीतिक शक्ति के प्रति अधिक सहानुभूति रखता है, जबकि भारत अपनी ओर से स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। इस प्रकार की धारणाएँ चाहे तथ्यात्मक रूप से सही हों या नहीं, वे विश्वास के वातावरण को प्रभावित करती हैं और संबंधों में मनोवैज्ञानिक दूरी उत्पन्न करती हैं।

तीस्ता नदी के जल बँटवारे का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच एक प्रमुख विवाद का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश के लिए तीस्ता नदी का जल कृषि और आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई वर्षों से प्रस्तावित समझौता विभिन्न कारणों से लंबित है, जिससे बांग्लादेश में यह भावना विकसित हुई है कि उसकी चिंताओं को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही। भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों की भूमिका भी इस विषय को जटिल बनाती है, लेकिन समाधान में देरी ने अविश्वास को बढ़ावा दिया है। जल संसाधनों के न्यायसंगत और टिकाऊ प्रबंधन के बिना दीर्घकालिक विश्वास निर्माण कठिन प्रतीत होता है।

सीमा संबंधी मुद्दे भी संबंधों में तनाव का कारण बने हैं। तस्करी, अवैध आव्रजन और सीमा सुरक्षा की चुनौतियों के कारण कई बार सीमा पर अप्रिय घटनाएँ हुई हैं। नागरिक हताहतों की घटनाओं ने बांग्लादेश में व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की है और भारत की छवि पर भी प्रभाव डाला है। यद्यपि दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियाँ समन्वय बढ़ाने के प्रयास कर रही हैं, फिर भी ऐसी घटनाएँ आम लोगों के मन में नकारात्मक भावनाएँ पैदा करती हैं। पड़ोसी देशों के बीच सीमा केवल सुरक्षा का विषय नहीं होती, बल्कि मानवीय और सामाजिक संबंधों से भी जुड़ी होती है।

नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) जैसे मुद्दों ने भी बांग्लादेश में कुछ आशंकाएँ उत्पन्न कीं। यद्यपि भारत ने बार-बार स्पष्ट किया कि ये उसकी आंतरिक नीतियाँ हैं, फिर भी बांग्लादेश में यह चिंता व्यक्त की गई कि इनका अप्रत्यक्ष प्रभाव भविष्य में दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नीतियों की वास्तविकता के साथ-साथ उनकी सार्वजनिक धारणा भी महत्वपूर्ण होती है और यही कारण है कि ऐसे मुद्दे कभी-कभी कूटनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं।

दक्षिण एशिया में चीन की बढ़ती सक्रियता भी भारत-बांग्लादेश संबंधों को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। बांग्लादेश ने अपनी विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चीन सहित कई देशों के साथ आर्थिक और अवसंरचनात्मक सहयोग बढ़ाया है। भारत के लिए यह स्वाभाविक चिंता का विषय है कि क्षेत्र में किसी बाहरी शक्ति का अत्यधिक प्रभाव उसके रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर बांग्लादेश अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखते हुए विभिन्न देशों से निवेश और तकनीकी सहयोग प्राप्त करना चाहता है। इस स्थिति में दोनों देशों के लिए पारदर्शिता और संवाद अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। व्यापारिक असंतुलन भी अविश्वास के कारकों में शामिल है। यद्यपि द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसका लाभ अपेक्षाकृत अधिक भारत को मिलता हुआ दिखाई देता है। बांग्लादेश लंबे समय से भारतीय बाजार में अपने उत्पादों की बेहतर पहुँच तथा गैर-शुल्क बाधाओं में कमी की मांग करता रहा है। आर्थिक संबंधों में असंतुलन की भावना यदि लंबे समय तक बनी रहे तो वह राजनीतिक संबंधों को भी प्रभावित कर सकती है।

मुख्यमंत्री करेंगे उद्यमियों को प्रोत्साहन राशि, भू-आवंटन पत्र और हितलाभ का वितरण

प्रदेश में उद्यमिता को नई दिशा देने के साथ रोजगार सृजन को गति प्रदान कर 'विकसित मध्यप्रदेश' बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए रविवार 14 जून को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में वृहद कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विभिन्न जिलों के एमएसएमई उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स तथा अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रोत्साहन राशि का वितरण करेंगे। इस दौरान उद्यमियों को भू-आवंटन पत्र, स्टार्टअप नीति अंतर्गत स्वीकृत विभिन्न लाभ और मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत युवाओं को हितलाभ भी वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम में सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप भी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए एमएसएमई उद्यमियों एवं स्टार्टअप प्रतिनिधियों से सीधा संवाद भी करेंगे। संवाद के माध्यम से उद्यमी अपने अनुभव साझा करेंगे तथा राज्य सरकार द्वारा लागू की गई नीतियों और योजनाओं के प्रभाव के बारे में जानकारी देंगे। साथ ही वे उद्यमिता को और अधिक सरल, सुलभ एवं प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव और अपेक्षाएं भी प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप विशेष रूप से विभाग द्वारा प्रदेश में औद्योगिक निवेश, उद्यमिता संवर्धन और रोजगार सृजन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देंगे। प्रमुख सचिव एमएसएमई श्री राघवेंद्र सिंह द्वारा विभाग की प्रमुख उपलब्धियों, योजनाओं एवं भावी कार्ययोजना का उल्लेख किया जाएगा। कार्यक्रम की थीम समृद्ध एमएसएमई-विकसित मध्यप्रदेश' रखी गई है। सूक्ष्म लघु,उद्यम विभाग कार्यक्रम में प्रदेश में औद्योगिक निवेश, उद्यमिता संवर्धन और रोजगार सृजन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को प्रदर्शित करेगा। यह कार्यक्रम प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र, स्टार्टअप पारिस्थितिकी और नवाचार आधारित औद्योगिक विकास को नई ऊर्जा प्रदान करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा एमएसएमई क्षेत्र को आर्थिक विकास का प्रमुख आधार मानते हुए निरंतर ऐसी नीतियां और व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं, जिनसे स्थानीय स्तर पर उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा मिले और युवाओं में स्वरोजगार की भावना विकसित हो तथा नवाचार को प्रोत्साहन प्राप्त हो। राज्य की नई औद्योगिक एवं निवेशोन्मुखी नीतियों के परिणामस्वरूप प्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के विस्तार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। इससे बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं और प्रथम पीढ़ी के उद्यमियों को उद्यम स्थापना के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। संवाद से प्राप्त सुझाव प्रदेश की औद्योगिक एवं स्टार्टअप पारिस्थितिकी को और अधिक सुदृढ़ बनाने में उपयोगी सिद्ध होंगे। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि, बैंकिंग संस्थानों के पदाधिकारी, निवेशक, स्टार्टअप संस्थापक, युवा उद्यमी तथा प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए हितग्राही बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन केवल हितलाभ वितरण तक सीमित न रहकर उद्यमिता को जन-आंदोलन का स्वरूप देने, नवाचार आधारित आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा आत्मनिर्भर एवं विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा में सामूहिक संकल्प का अवसर भी बनेगा।

खास बात

फिर चूके अन्नामलाई?

तमिलनाडु के पूर्व आईपीएस अधिकारी भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बनकर रह गए हैं। उन्होंने भाजपा छोड़ दी है। दो बार में विधानसभा का चुनाव हार चुके हैं। इस बार अन्ना डीएमके ने उनके लिए कोयंबटूर उत्तर की सीट नहीं छोड़ी। जिसके कारण वह काफी नाराज चल रहे थे। प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने भाजपा को ऐसी कोई जीत नहीं दिलाई। जिससे भाजपा उनके पीछे चलती। अब उन्होंने भाजपा को भी अलविदा कह दिया है। वह तमिलनाडु की क्षेत्रीय पार्टी बनकर दम-खम दिखाएंगे. पुलिस में उनका बहुत रुतबा था.पुलिस वाले राजनीति में सफल हो पाएंगे? यह एक तरह का सपना है। जो अन्नामलाई देख रहे हैं। सपना देखने में कोई बुराई नहीं है। इसमें कोई पैसा तो लगता नहीं है।

परिसीमन बिल के पहले दो तिहाई लोकसभा बहुमत?

परिसीमन बिल पास कराने के लिए केंद्र सरकार ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान विशेष सत्र बुलाया था। सरकार बिल को पास नहीं करा पाई। 2029 के चुनाव तक सरकार रुकना नहीं चाहती है। इसके लिए एक नई रणनीति तैयार की गई है। चुनाव के पहिले लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों को उनकी पार्टी से तोड़कर भाजपा में शामिल किया जाए,या अलग दल बनवाकर एनडीए गठबंधन में शामिल किया जाए। यह कोशिश शुरू हो गई है मानसून सत्र के पहले सरकार लोकसभा और राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत हासिल हो जाए, इसके लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

क्या अब भी कहेंगे संकट नहीं है?

सरकार के ताजा नियम में कहा गया, किसी भी व्यवसायिक या औद्योगिक वाहन या व्यक्ति को एक दिन में पेट्रोल पंप पर 200 लीटर से ज्यादा डीजल नहीं मिलेगा। नए नियम से लंबी और मध्यम दूरी के माल परिवहन वाले ट्रकों पर असर पड़ने की आशंका जाहिर की जा रही है। बहरहाल पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने तो अधिसूचना जारी कर खुदरा बिक्री केंद्रों यानी पेट्रोल पंप डीलरों को आदेश दे दिया, अब लोग भले कहें कि देश में ईंधन या पेट्रोल-डीजल का कोई संकट नहीं है।

अब आई अभिषेक की बारी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में अहम भूमिका निभाने वाले तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर कोलकाता पुलिस ने देर रात छापेमार कार्रवाई कर सभी को चौंका दिया। दरअसल पुलिस टीम ने यह कार्रवाई रात करीब 3 बजे की और इस दौरान केंद्रीय बलों के जवान भी उनके साथ थे। लगभग चार घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। इसमें क्या मिला क्या नहीं यह तो अलग बात है, लेकिन राजनीतिक गलियारे में चर्चा आम हो गई कि अब शिकंजा अभिषेक पर कस गया है, अगली बारी किसकी होगी इंतजार करें।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, द्वितीय ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, चर्तुदर्शी, रविवार, रोहिणी नक्षत्रे, घृण योगे, वल करणे, वृष की चंद्रमा, श्राद्ध अमावस्या, तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलप्रद होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, कुशल वक्ता, जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, सैनिक, सिपाही, सेना नायक, दस्ता नायक, मेजर-कमाण्डर, कैशियर, लेखापाल, मशीनरी, स्टोर कीपर, लिपिक, डाक आवक-जावक, लेखक होगा।

मेष राशि- दैनिक व्यवसाय गति में सुधार तथा योजनाएं फलीभूत होंगी।

वृष राशि- दैनिक कार्यक्षमता में वृद्धि, सफलता एवं प्रभुत्व के योग अवश्य ही बनेंगे।

मिथुन राशि- आर्थिक योजना पूर्ण होवे, कार्य क्षमता में वृद्धि, इष्ट मित्रों से सुख सहयोग मिले।

कर्क राशि- व्यवसाय अनुकूल, चिन्ताएं कम होंगी, इष्ट मित्र सुख वर्धक होंगे।

सिंह राशि- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा तथा कार्यवृत्ति में सुधार होगा।

कन्या राशि- कुछ समस्याऐं सुलझें-कुछ पैदा होंगी, कार्य वृत्ति में सुधार अवश्य होगा।

तुला राशि- कार्य व्यवसाय क्षमता कुछ अनुकूल हो, आशाओं में सफलता से कार्य बनेंगे।

वृश्चिक राशि- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, बिगड़े कार्य अवश्य बनेंगे।

धनु राशि- प्रत्येक कार्य में विलम्ब संम्भव, धन का लाभ, आशानुकूल सफलता मिलेगी।

मकर राशि- आरोप-प्रत्यारोप, क्लेश सम्भव, धन लाभ, आशानुकूल सफलता के साधन प्राप्त हों।

कुंभ राशि- सफलता के साधन जुटायें, समय आराम से बीतेगा, ध्यान रखें।

मीन राशि- किसी तनाव-क्लेश से बचिये, मन में अशांति व क्लेश अवश्य होगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

14 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.23 बजे से
चंद्र	वृष में	कर्क	07.37 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	09.53 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.05 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.15 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.30 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.46 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.51 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.38 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मीन	00.10 बजे से
		मेष	01.41 बजे से
		वृष	03.21 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 165 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 12.20 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 22.14 बजे को समाप्त।
योग धृति 13.15 बजे को समाप्त।
करण शकुनि 12.20 बजे तदनन्तर चतुष्पद 22.23 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 15'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872740
जूलियन दिन 2461205.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 28
विशेष दर्श अमावस्या, विश्व रक्तदान दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

फ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे देश के अगले सेनाध्यक्ष, 30 को संभालेंगे कार्यभार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को देश का अगला सेना प्रमुख नियुक्त किया है। अभी वे आर्मी स्टाफ़ के वाइस चीफ़ हैं। वह 30 जून को दोपहर से मौजूदा सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी के सेवानिवृत्त होने पर कार्यभार संभालेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं और दिसंबर 1986 में आर्म्ड कॉर्प्स में कमीशन हुए थे। लगभग चार दशकों के शानदार मिलिट्री करियर में उन्हें ऑपरेशनल, स्ट्रैटेजिक, क्षमता विकास और संस्थागत क्षेत्रों में व्यापक अनुभव मिला है, जिससे भारतीय सेना की युद्धक क्षमता में बदलाव हुआ है। उन्होंने अलग-अलग ऑपरेशनल माहौल में हर स्तर पर कमान संभाली है। उनकी कमान की जिम्मेदारियों में रेगिस्तानी इलाके में एक आर्म्ड रेजिमेंट, पश्चिमी थिएटर में एक आर्म्ड ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद-विरोधी फोर्स की कमान शामिल है। लेफ्टिनेंट जनरल के तौर पर उन्होंने भारतीय सेना के प्रमुख स्ट्राइक फॉर्मेशन में से एक सुदर्शन चक्र कॉर्प्स की कमान संभाली। इसके बाद उन्होंने दिल्ली एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के तौर पर काम किया और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मिलिट्री कार्यक्रमों और औपचारिक जिम्मेदारियों को संभाला।

यूरोप से हिन्द प्रशांत तक सुरक्षित व्यापार हेतु रुस तैयार कर रहा है 'नॉर्दर्न सी रूट'

मॉस्को। रूस को उम्मीद है कि पश्चिम एशियाई समुद्री मार्गों पर सुरक्षा के संकट के मद्देनज़र आने वाले समय में उसके द्वारा विकसित किये जा रहे उत्तरी समुद्री मार्ग से वाणिज्यिक जहाज़ों के यातायात में भारी वृद्धि होगी जिसका सर्वाधिक फायदा यूरोप और हिन्द प्रशांत क्षेत्र के बीच व्यापार में होगा। रूस के सुदूर पूर्व एवं आर्कटिक विकास मंत्री एलेक्सी चेकुनकोव ने रिया नोवोस्ती से बातचीत में कहा कि जैसे-जैसे उत्तरी समुद्री मार्ग कॉरिडोर का विस्तार हो रहा है, इस रास्ते से जहाज़ों के यातायात की वैश्विक मांग में भारी बढ़ोतरी की उम्मीद है, खासकर ऐसे समय जब भूमध्य सागर से एशिया के लिए स्वेज नहर के आसपास सुरक्षा स्थिति के तनाव कारण वैश्विक वाणिज्य गड़बड़ा रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें भविष्य में उत्तरी समुद्री मार्ग (नॉर्दर्न सी रूट) से परिवहन की वैश्विक मांग में वृद्धि की उम्मीद है, चेकुनकोव ने सवाल के जवाब में कहा, 'मुझे इस बात का पूरा भरोसा है।' रूसी मंत्री ने कहा कि रूस सबसे जटिल तकनीकी समाधान और आइसब्रेकर बना रहा है और अंतरिक्ष में उपग्रह लॉन्च कर रहा है; साथ ही, आइस-क्लास जहाज भी बनाए जा रहे हैं। एक सिस्टम एवं बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है।

राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक के लिए अयोध्या पहुंचे नृपेन्द्र मिश्रा

अयोध्या। श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र शनिवार को अयोध्या पहुंचे और हनुमान गढ़ी में पूजा-अर्चना करने के बाद उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन किए। दर्शन-पूजन के बाद मिश्रा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वे मंदिर निर्माण समिति की बैठक में हिस्सा लेने के लिए यहां पहुंचे हैं। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की चोरी से जुड़े सवाल पर मिश्रा ने कहा, 'मैं मंदिर निर्माण से जुड़ा हूं। मंदिर निर्माण समिति की बैठक में हिस्सा लेने यहां आया हूं। दानपात्र से धनराशि गायब होने का मामला श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का आंतरिक विषय है जिसे ट्रस्ट के पदाधिकारी देख रहे हैं।' वहीं, अयोध्या के प्रमुख संतों ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे की चोरी की निष्पक्ष जांच की मांग की है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं मणिराम दास छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास ने कहा कि राम मंदिर से हिंदुओं की आस्था जुड़ी हुई है। इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

पीओके में हो रहे अत्याचारों पर भारत को उठानी चाहिए आवाज : शांता कुमार

शिमला। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चल रहे जनआंदोलनों और वहां की जनता पर कथित दमनात्मक कार्रवाई को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पीओके से लगातार ऐसे समाचार सामने आ रहे हैं, जिनमें स्थानीय लोग पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि इन आंदोलनों को बलपूर्वक दबाने का प्रयास किया जा रहा है। शांता कुमार ने शनिवार को एक बयान में कहा कि विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार पीओके के कई क्षेत्रों में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं। उन्होंने दावा किया कि एक स्थान पर गोलीबारी में कई लोगों की मौत होने की सूचना भी मिली है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पीसी में बोले- मोदी लोगों का प्यार जीतने का शतक बना रहे हैं, जबकि

राहुल गांधी हारने का शतक बनाने की ओर अग्रसर हैं

राहुल कई वर्षों से देश के भीतर गृहयुद्ध जैसी स्थिति पैदा करने की बना रहे योजना

रायपुर ■ एजेंसी

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी लोगों का प्यार जीतने का शतक बना रहे हैं जबकि राहुल गांधी हारने का शतक बनाने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी कई वर्षों से देश के भीतर गृहयुद्ध जैसी स्थिति पैदा करने की योजना बना रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में केन्द्रीय कपड़ा मंत्री सिंह ने कहा कि हमने ग्राम पंचायत से लेकर संसद तक राष्ट्रीय सरकार तक जीत का शतक बनाया और कांग्रेस ने हार का शतक बनाया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार के सफल कार्यकाल, विकास योजनाओं और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि 22 राज्यों में हमारी सरकार है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 12 वर्षों के कार्यकाल में विकास के साथ विरासत का संरक्षण और विरासत के साथ विकास का संवर्धन करने का काम किया है। इस अवसर पर उनके साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 से देश की जनता ने शासन को सत्ता भोगने का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का संकल्प मानने वाली मोदी सरकार पर भरोसा जताया है। उन्होंने दावा किया कि बीते वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर तंज कसते हुए कहा कि पहले केवल 'गरीबी हटाओ' के नारे दिए जाते थे, लेकिन गरीबी नहीं मिटी, बल्कि गरीब मिट गए।

उन्होंने कहा कि जब विपक्ष केरल या तेलंगाना जीतता है तो सब ठीक रहता है, लेकिन हारने पर ईवीएम और वोट चोरी का रोना रोते हैं। टीएमसी सांसद के 'ऑपरेशन लोटस नाकाम होने' के बयान पर उन्होंने कहा कि भाजपा का कोई ऐसा ऑपरेशन नहीं चलता। जो जैसी करनी करता है, वैसा फल भोगता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार ने छत्तीसगढ़ को लगभग नक्सलवाद से मुक्त कर दिया है,जो एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यूपीए सरकार के समय एक बड़े अर्थशास्त्री के प्रधानमंत्री रहने के बावजूद भारत दुनिया की 10वीं आर्थिक महाशक्ति था, लेकिन मोदी सरकार ने 12 वर्षों की कड़ी मेहनत से देश को चौथे स्थान पर ला खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने युवाओं, किसानों, मजदूरों और महिलाओं समेत समाज के हर वर्ग के लिए रोडवेज, एयरवेज और हाईवेज के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया है। केंद्रीय मंत्री सिंह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 'जिन्हें देश का यह विकास दिखाई नहीं दे रहा है, उन्हें अपना चश्मा बदल लेना चाहिए'।

पीएम मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियां देश की दिशा बदलने वाला

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को देश की दिशा बदलने वाला बताया। उन्होंने कहा कि इन 12 वर्षों के सुशासन और विकास कार्यों ने 2047 तक 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने की दिशा में एक बेहद मजबूत नींव रख दी है। केंद्रीय कपड़ा मंत्री सिंह शनिवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' में आयोजित मीडिया कॉन्क्लेव में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने छह दशक के शासन में गरीबी खत्म नहीं कर सकी, जबकि मोदी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने का काम किया है। मोदी सरकार के इन 12 वर्षों में जनजातीय समाज के विकास के लिए धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना शुरू की गई, जिसका बजट 79 हजार करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के 66 हजार 61 गांव इस योजना में शामिल हैं। आदिम जाति कल्याण मंत्रालय के लिए अलग विभाग का गठन किया गया है, जिसका बजट 15 हजार करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और किसान अन्नदाता हैं। पहले किसानों के पास खेती के लिए पूंजी की व्यवस्था नहीं होती थी। उन्हें महाजनों से कर्ज लेना पड़ता था और बाद में भारी ब्याज के साथ लौटाना पड़ता था। लेकिन आज किसान क्रेडिट कार्ड की व्यवस्था है और इसके माध्यम से देश के किसानों को 10 लाख करोड़ रुपये का सस्ता ऋण दिया गया है। छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि यहां किसानों को सरकारी बैंकों के माध्यम से शून्य प्रतिशत ब्याज पर केसीसी का लाभ दिया जा रहा है, जिससे किसानों को फायदा मिल रहा है, आज देश में 3 करोड़ से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं और प्रधानमंत्री मोदी का लक्ष्य 4 करोड़ महिलाओं को लखपति बनाना है। छत्तीसगढ़ में भी अब तक 10 लाख महिलाएं लखपति बन चुकी हैं। केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने कहा कि सुकन्या समृद्धि योजना के तहत देशभर में 4.50 करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं। सुरक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए महिला अधिकारियों की संख्या 3 हजार से बढ़ाकर 11 हजार की गई है। प्रधानमंत्री सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ में 65 हजार घरों में सोलर रूफटॉप लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब मोदी सरकार ने काम शुरू किया था, तब टैक्स संग्रह 2 लाख 42 हजार करोड़ रुपये के स्तर पर था। आज भारत 22 देशों के साथ रुपये में व्यापार कर रहा है।

खेत, किसान और गांवों से होकर गुजरता है विकसित भारत का रास्ता : स्पीकर ओम बिरला

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की यात्रा उसके खेतों, किसानों और गांवों से होकर गुजरती है। उन्होंने कहा कि सतत कृषि, नवाचार और अनुसंधान 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने के प्रमुख आधार हैं। परंपरा और प्रौद्योगिकी के प्रभावी समन्वय के माध्यम से भारत वैश्विक कृषि नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरने की क्षमता रखता है।

ओम बिरला यहां अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'विकसित भारत 2047 के लिए सतत कृषि : परंपरा, प्रौद्योगिकी और ठोस परिणाम' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

बिरला ने कहा कि भारत में कृषि केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि देश की संस्कृति, सभ्यता और जीवन-दर्शन का अभिन्न अंग है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा देने, सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने तथा समावेशी विकास को गति देने में कृषि की केंद्रीय भूमिका है। भारत के गांव उसकी वास्तविक शक्ति हैं और किसान देश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक संरचना के भी आधार स्तंभ हैं।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन और वैश्विक परिस्थितियों में हो रहे बदलावों से आ रही चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि वर्तमान समय में विज्ञान-आधारित, अनुसंधान-संचालित और नवाचार-केंद्रित कृषि की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। पारंपरिक कृषि ज्ञान और अत्याधुनिक तकनीकों का समन्वय ही ऐसे कृषि पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर सकता है जो टिकाऊ, लाभकारी और भविष्य की चुनौतियों के प्रति सक्षम हो।

बिरला ने कृषि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों को भारत के कृषि भविष्य का प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आंकड़ा विश्लेषण और डिजिटल खेती जैसी उन्नत तकनीकें कृषि को अधिक सटीक, दक्ष और उत्पादक बना रही हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं का नेतृत्व और जमीनी स्तर पर विकसित हो रहे नवाचार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा और गति प्रदान करेंगे। उन्होंने शिक्षकों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, नीति-निर्माताओं और किसानों अपील की कि वे मिलकर ऐसे आत्मनिर्भर कृषि मॉडल विकसित करें जो दीर्घकालिक समृद्धि और सतत विकास सुनिश्चित कर सकें।

नेपाल-भारत के बीच सीमा पार रेल परियोजनाओं पर हुई महत्वपूर्ण चर्चा

काठमांडू। नेपाल और भारत के बीच सीमा पार रेलमार्ग परियोजनाओं को लेकर काठमांडू में दो दिनों तक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य रेल परियोजनाओं के कार्यान्वयन को गति देना और इस क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत बनाना है। नेपाल स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार शनिवार को संपन्न हुई 10वीं प्रोजेक्ट स्टीयरिंग कमिटी और 8वीं संयुक्त कार्य समूह की बैठक में नेपाल-भारत रेल नेटवर्क के विस्तार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में भारत सरकार की अनुदान सहायता से निर्माणाधीन जयनगर-बिजलपुरा-बर्दिबास तथा जोगबनी-विराटनगर ब्रॉड गेज रेलमार्ग परियोजनाओं की अब तक की प्रगति की समीक्षा की गई।

नागपुर को 'हरित शहर' बनाने का संकल्प; 25 लाख वृक्षारोपण का लक्ष्य : नितिन गडकरी

केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों की समीक्षा, नागपुर में विकास परियोजनाओं, रोजगार और बुनियादी ढांचे पर जोर

नागपुर ■ एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर शहर और जिले को 'हरित शहर' के रूप में विकसित करने के लिए 25 लाख वृक्षारोपण का एक महत्वाकांक्षी संकल्प घोषित किया है। उन्होंने बताया कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत स्कूलों, विश्वविद्यालयों, स्वयंसेवी संगठनों, राजनीतिक दलों और विभिन्न सामाजिक समूहों की भागीदारी से बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और संरक्षण अभियान चलाया जाएगा।

केंद्र सरकार के 12 वर्षों की कार्य उपलब्धियों के अवसर पर शनिवार को यहां एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में गडकरी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नागपुर स्थित रिमोट सेंसिंग सेंटर के माध्यम से राजस्व और वन विभाग के सहयोग से राज्य के सभी जिलों और तालुकों का मैपिंग किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण हुआ है, उनकी जानकारी एकत्र कर उनका सम्मान किया जाएगा। इस दौरान महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री और नागपुर जिले के पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत 58 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में अगले 24 घंटे में तेज हवा के साथ बारिश होने के आसार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुसार अगले 24 घंटे के दौरान दिल्ली-एनसीआर में तेज हवा और गरज के साथ बारिश होने के आसार हैं, जबकि पूर्वोत्तर तथा दक्षिण के कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

आईएमडी के अनुसार राजधानी में 14 जून को दोपहर और शाम के दौरान तेज हवा और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। इस दिन यहां 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी आने का अनुमान है, जबकि अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37-39 डिग्री सेल्सियस और 23-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। 15 जून को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। यहां का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37-39 डिग्री सेल्सियस और 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। वहीं, 16 जून को तेज हवा और गरज के साथ दोपहर से शाम के बीच वर्षा होने के आसार हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39-41 डिग्री सेल्सियस और 25-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

अरुणाचल प्रदेश में 15-16 जून, असम और मेघालय में 14-16 जून, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 14-15 जून, केरल, माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ क्षेत्रों में 14 जून को भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में 17-19 जून, असम और मेघालय के कुछ क्षेत्रों में 17-19 जून तक बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं। पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। अगले दो दिनों के दौरान मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में लू चलने की बहुत संभावना है। अगले 2-3 दिनों के दौरान कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल के अन्य हिस्सों, ओडिशा के कुछ हिस्सों और दक्षिण छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं।

राजधानी भोपाल के रोटेरियन धीरन दत्ता रोटरी इंटरनेशनल सम्मेलन ताइवान में सम्मानित

ताइपे ताइवान ■ एजेंसी

ताइपे ताइवान में आयोजित रोटरी इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में भोपाल के पूर्व मंडलाध्यक्ष रोटेरियन धीरन दत्ता को रोटरी सेवा प्रकल्पों में समर्पित सहयोग के लिए उच्चतम सेवा पुरस्कार से अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष फ्रांसिस्को अरेज़्ज़ो एवं श्रीमती अन्ना मारिया द्वारा 13 जून को दिया गया।

इस अवसर पर रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल के अध्यक्ष विश्वास में पूर्व अध्यक्ष जी के छिब्बर, सुनील भार्गव, प्रखर तिवारी, सुनील खबिया, ऋतुराज परमार, अल्पना मिश्रा, कुमुद तिवारी, डॉ. टीएम खान और मंडल 3040 के सदस्यों ने हार्दिक बधाई दी।

मिथिला समाज को रंगकर्मियों का उत्साहवर्धन करना जरूरीः प्रो. उदय नारायण

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कवि एवं भाषाविद प्रो. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' ने शनिवार को कहा कि मिथिला समाज को रंगकर्मियों का उत्साहवर्धन करना जरूरी है। साथ ही, नाटकों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को आगे बढ़ाने के लिए समाज स्तर पर पुरस्कार और सम्मान की परंपरा शुरू होनी चाहिए।

प्रो. उदय नारायण ने दिल्ली स्थित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) में साहित्य अकादमी और मैथिली लोक रंग (मैलोरंग) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'मैथिली रंगमंच आंदोलन' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद के दौरान यह बात कही। इस संगोष्ठी में देश-विदेश के प्रमुख नाटककारों, भाषाविदों तथा रंगकर्मियों ने मैथिली रंगमंच के इतिहास, वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की दिशा पर विचार विमर्श किया।

मुख्य वक्ता के रूप में नारायण ने कहा, 'स्वतंत्र भारत में मैथिली रंगमंच आंदोलन की एक गौरवशाली और सतत परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि मैथिली में 'गोरक्ष विजय' और 'धूर्तसमागम' जैसे क्लासिक मौलिक नाटक पहले से मौजूद रहे हैं। अन्य भाषाओं की तरह मैथिली में भी आधुनिक रंगकर्म की शुरुआत अनुवादों से हुई लेकिन बाद में आंदोलन को गति देने के लिए बड़े पैमाने पर मौलिक नाटकों का लेखन हुआ।' वरिष्ठ रंगकर्मी प्रदीप बिहारी ने कहा कि विभिन्न आंदोलनों से गुजरते हुए आज मैथिली रंगमंच का परिदृश्य काफी समृद्ध हुआ है। अब मिथिला के शहरों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक नाटक खेले जा रहे हैं। उन्होंने समाज से अपील की कि मिथिला समाज को आगे आकर रंगकर्मियों को प्रोत्साहित करना चाहिए। अभिनय और रंगकर्म से जुड़े लोगों को बढ़ावा देने के लिए विशेष पुरस्कारों और सम्मान की व्यवस्था की जानी चाहिए। परिसंवाद के पहले सत्र में मैथिली रंगमंच के भौगोलिक और ऐतिहासिक विस्तार पर चर्चा हुई। नमोनारायण मिश्र ने कोलकाता में मैथिली रंगमंच को जीवित रखने और आगे बढ़ाने में वहां की संस्थाओं व रंगकर्मियों के ऐतिहासिक योगदान को याद किया। किसलय कृष्ण ने मिथिला और नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में मैथिली रंगमंच की गतिविधियों पर एक विस्तृत शोधपूर्ण आलेख प्रस्तुत किया। पटना के रंग आंदोलन पर बात करते हुए वरिष्ठ अभिनेत्री प्रेमलता मिश्र 'प्रेम' ने कहा कि शुरुआत में रंगकर्म में महिलाओं का अभाव था लेकिन सामाजिक जागृति के कारण आज बड़ी संख्या में महिला अभिनेत्रियां और निर्देशिकाएं मैथिली रंगमंच को नई ऊंचाई दे रही हैं। परिसंवाद का दूसरा सत्र मैथिली रंगमंच पर वैश्विक प्रभाव और उसकी सामाजिक प्रासंगिकता पर केंद्रित रहा। युवा लेखक अरुणाभ सौरभ ने अपने शोध पत्र में मैथिली रंगमंच आंदोलन पर वैश्विक रंगमंच के प्रभाव और विभिन्न आधुनिक नाट्य शैलियों के प्रयोग पर प्रकाश डाला। संजीव सिन्हा ने दिल्ली में हो रहे मैथिली रंगकर्म का दर्शकों के नजरिए से विश्लेषण किया और बताया कि कैसे इन नाटकों का आम लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रो. देवशंकर नवीन ने कहा कि साहित्य और रंगमंच कभी भी केवल मनोरंजन का साधन नहीं रहे बल्कि इनका मूल उद्देश्य समाज सुधार रहा है। मैथिली रंगमंच ने मिथिला की संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया है।

इस परिसंवाद में दिल्ली तथा बाहर से आए मैथिली के कई लेखक, कवि, आलोचक और रंगप्रेमी उपस्थित रहे।

यह दवा अमूल्य है

खूनी बवासीर के मरीजों के लिए आवश्यक सूचना

1. क्या आप खूनी बवासीर से पीड़ित हैं
2. डाक्टरों और वैद्य-हकीमों का इलाज करा-करा कर थक गए हैं
3. निरंतर खून आने से शरीर अत्यंत दुर्बल और कमजोर हो गया है

तो आइये मात्र 6 पुड़िया आपके जीवन को चिंताओं से मुक्त कर सकती है और आप फिर से पूर्ण मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करने के लिये सक्षम हो सकते हैं।
तो आज ही हमारे निम्न पते पर आएं और निःशुल्क दवा प्राप्त करें।

दैनिक अमृत दर्शन
6, पत्रकार नगर कोलार रोड, भोपाल-462003
मो. 9827054436

जंक फूड और रेडी टू ईट खाने बच्चों के लिए हो रहे जानलेवा

आजकल बच्चे जंक फूड और रेडी टू ईट खाने को ज्यादा वरीयता देते हैं। इससे उन्हें पर्याप्त पोषण नहीं मिलता ओर कई बिमारियों का भी खतरा बना रहता है, यहां तक कि ये जानलेवा भी हो जाती है। बच्चे अपने खाने में स्वाद को ज्यादा महत्व देते हैं। इसीलिए उसमें सेहत का संतुलन बना रहे, इसका जिम्मा आपका है। बच्चों की खानपान की आदतों को सेहतमंद बनाने के लिए कुछ प्रयास अभिभावकों को करने होंगे।

इसमें कोई शक नहीं कि हर मां के लिए अपने बच्चे को खाना खिलाना एक दिमागी कसरत की तरह होता है। किसी बच्चे को उसके खाने में आने वाले सब्जियों के लच्छे पसंद नहीं होते, तो किसी बच्चे को मसाले पसंद नहीं आते। कोई सिर्फ चावल ही पसंद करता है। अपने बढ़ते बच्चे की थाली में आहार का जो संतुलन आप देखना चाहती हैं, वह अगर उन पर छोड़ जाए, तो कतई साकार नहीं हो सकता। ऐसे में खाना-खिलाना प्यार कम, डांट-डपट ज्यादा हो जाता है लेकिन डांट या चिंता से कुछ नहीं होने वाला। इसके लिए कुछ अलग तरह से कोशिश करनी होगी।

बच्चों में खाने को लेकर स्वस्थ नजरिया बनाने के लिए उन्हें कहानियों या कविताओं के माध्यम से पौष्टिक खाने के महत्व के बारे में बताएं। उसे एक बार में सब कुछ खिलाना मुश्किल होगा, इसलिए कुछ अंतराल पर खिलाएं। इसमें एक क्रम जरूर बनाएं। जैसे कि दिन भर में तीन बार भोजन, तो तीन बार स्नैक्स आदि जैसा छोटा-मोटा आहार। इससे एक अनुशासन भी बना रहेगा और उसकी पोषण संबंधी आवश्यकता भी पूरी होती रहेगी। अच्छा यही होगा कि जब माता-पिता खाना खाएं, तो बच्चे को साथ खिलाएं। रोटी से ज्यादा उनमें सब्जियों के प्रति रुचि बनाएं। इसके लिए आपको चुकंदर-पालक या गोभी परांठे जैसे प्रयोग भी करने पड़ें, तो करिए। क्योंकि बच्चे को खाना खिलाने का उद्देश्य उसे मोटा करने से ज्यादा स्वस्थ और सक्रिय बनाए रखना होना चाहिए। हां, उनमें खाने के साथ पानी पीने की आदत बिल्कुल न पनपने दें।

कुछ आपके लिए

खाना खिलाएं प्यार से: बच्चों से हर वक्त प्यार से बात करना कठिन काम है लेकिन जब वे खाना खा रहे हों, कम से कम तब तो अपने गुस्से पर काबू रखा ही जा सकता है। जब वे खाना खा रहे हों, तो उन्हें कोई झिड़की या डांट न मिले। वरना खाने का असर नकारात्मक ही होगा।

प्यार या शाबाशी का विकल्प खाना नहीं: बहुत से अभिभावक अपने मन का काम करवाने के लिए बच्चों को उनकी मनपसंद खाने की चीजों की प्रेरणा देते हैं लेकिन यह प्रेरणा उसे लालची न बना दे। वैसे भी आपके प्यार का विकल्प खाने की चीजें नहीं हो सकतीं। बच्चे को प्यार से गोद में लेना जितने लंबे समय तक उसके लिए उत्साह और प्रेरणा का काम करेगा, आपकी बनाई स्वादिष्ट डिश नहीं कर सकती। आपका प्यार पाकर वह मानसिक रूप से मजबूत होगा, न कि डिश खाकर। हां, अगर ट्रीट देना ही है, तो हफ्ते में कुछ दिन इसके लिए निर्धारित कर लें। ताकि कम से कम उसका भी एक नियम बच्चे के जहन में रहे और उस मामले में भी अति न होने पाए।

उसके खाने पर आपकी नजर: आपका बच्चे ने बाहर क्या खाया, दिन भर में पानी कितना पिया और कितने कोल्ड ड्रिंक पिए, आदि पर नजर होगी, तो आप उनका खानपान बेहतर तरीके से संभाल पाएंगी।

यदि आपको बच्चों में अच्छी आदतें डालनी हैं, तो खुद भी उनका अनुसरण करना होगा। जैसे कि सुबह नाश्ता जरूर करना, दिन में एक फल तो जरूर खाना, दिन में कभी थोड़े से मेवे खाना आदि। जब आप यह सब अपने लिए निकालें, तो उसे भी दें। आपकी देखादेखी उसमें वह हेल्दी आदत के तौर पर पनप जाएगा।

कुछ बच्चों को सिखाएं: खाना हम क्यों खाते हैं, बच्चों को यह बात समझाना कठिन है। फिर भी खाने के सेहत संबंधी पहलू पर उनसे अलग-अलग तरीके से बात जरूर करें। उन्हें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन जैसे कॉन्सेप्ट से परिचित कराएं। इससे उनमें सेहतमंद आहार के प्रति एक रुझान बनेगा।

एक वक्त निर्धारित करें: बच्चे को एक दिशा देना उनके विकास की एक आवश्यकता होती है। थोड़ा अनुशासन भी जरूरी है। यह बात उनके खानपान पर भी लागू होती है। भोजन के मामले में 'कैसा' के अलावा 'कब' और 'कितना' जैसे प्रश्नों को भी उनके लिए निर्धारित करें। दिन में कितनी बार उन्हें खाना खाना है और कितनी बार स्नैक्स, इन सबका समय निर्धारित होगा, तो आपको ही नहीं, उन्हें भी आसानी होगी।

खाने का सलीका: निश्चित रूप से आप अपने बच्चे के चम्मच, कांटे पर नजर रखती होंगी। उसे चबाकर खाने को कहती ही होंगी लेकिन खाने के सलीके में सिर्फ इतना ही नहीं आता। उन्हें डाइनिंग टेबल पर ही खाना है, टीवी देखते हुए नहीं खाना है, सबके साथ खाना खाना है आदि बातें उनके भोजन संबंधी नजरिए को स्वस्थ बनाए रखेंगी।

बच्चों के लिए भी मेडिटेशन जरुरी

आज की हाईटेक और भाग-दौड़ भरी जिंदगी में बड़ों के साथ ही बच्चों के लिए भी आंतरिक शांति बहुत जरूरी हो जाती है क्योंकि बच्चे भी अब तनाव और व्यस्त जीवनशैली का शिकार हो रहे हैं। बच्चे अपने अभिभावकों और जिस माहौल में रहते हैं, वहां की ऊर्जा ग्रहण करते हैं। इस कारण वह पढ़ाई ठीक से नहीं कर पाते।

हम सभी अपने बच्चों को प्यार करते हैं और उनके लिए बेहतर करना चाहते हैं। इसलिए हमें उन्हें मेडिटेशन के लिए प्रेरित करना चाहिये। यह हमें मौजूदा समय में रहने की शिक्षा देता है, ताकि हम प्रयास करने के बेहतर प्रबंध के साथ अच्छे समय का आनंद उठा सकें। यह हमें हमारे सच्चे भाव के साथ जुड़े रहने में मदद करता है। ध्यान हमारी एकाग्रता और स्मरणशक्ति को बढ़ाने में मदद करता है।

इसलिए स्कूल, परिवार व आंतरिक दबाव की दुनिया में बच्चों को वयस्कों जितना ही मेडिटेशन की जरूरत है। मेडिटेशन बच्चों में ध्यान विकसित करने, उन्हें अपनी भावनाओं पर काबू रखने और यह सिखाने में कि कैसे अपने अंदर और बाहर ध्यान देना है, में मदद करता है। यह उनमें केंद्र का भाव उत्पन्न करता है। बच्चों के लिए विशेष रूप से तैयार मेडिटेशन जैसे सोल रिवाइवल (आत्मा पुनरुद्धार) उन्हें एकाग्र करने में मदद करते हैं, ताकि वे अपने अध्ययन में अच्छी तरह ध्यान लगा सकें. इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि मेडिटेशन ने छात्रों के अकादमिक और खेल के क्षेत्र में प्रदर्शन में सुधार लाने में मदद की है।

बच्चों को सर्दी में बादाम वाला दूध दें

अगर आप चाहते हैं कि बच्चे पढ़ाई के साथ ही खेल कूद में भी तेज हों तो उन्हें बादाम का दूध दें। यह तो हम सब जानते हैं और कई शोधों में यह बात साबित भी हो गई है कि बादाम को दूध में मिलाकर पीने से इसकी पौष्टिकता और बढ़ जाती है। इसके अलावा सर्दी में बादाम वाला दूध पीने से सर्दी नहीं लगती है और शरीर में ताकत भी आती है।

डॉक्टर और विशेषज्ञ मानते हैं कि बादाम खाने से दिमागी ताकत बढ़ती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि बादाम में प्रोटीन होता है, जो दिमाग के काम को बेहतर बनाता है। प्रोटीन न केवल ऊर्जा देता है, बल्कि यह हमारे ब्रेन सेल्स को ठीक भी करता है। इसकी वजह से हमारे सोचने, समझने और फैसले लेने की क्षमता बढ़ती है। ऐसे में यदि आप इसे दूध के साथ मिलाकर पीते हैं तो इसमें मौजूद पौष्टिक तत्वों का स्तर और भी बढ़ जाता है। यानी अगर आप बादाम दूध में मिलाकर बच्चों को पिलाती हैं तो इसका पूरा लाभ उन्हें मिल पाएगा।

हड्डियां मजबूत होंगी: बादाम वाला दूध पीने से बच्चों की हड्डियां भी मजबूत होंगी क्योंकि इस मिश्रण से बच्चों को खूब सारा विटामिन डी मिलता है। विटामिन डी की वजह से हड्डियां कैल्शियम आसान से सोखती हैं। बादाम वाला दूध पीने से बच्चों में अर्थराइटिस और ओस्टियोपरोसिस का खतरा कम होता है।

प्रतिरोध क्षमता बढ़ती है: ऐसे में बादाम वाला दूध उनकी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाएगा और उन्हें इस तरह की परेशानियां नहीं होंगी।

आंखों के लिए भी फायदेमंद: बादाम वाले दूध में विटामिन ए प्रचूर मात्रा में होता है, जो कि आंखों को सेहतमंद रखने के लिए जरूरी है। अगर आप अपने बच्चे को रोजाना बादाम वाला दूध पिलाती हैं तो उन्हें आंखों की समस्या नहीं होगी।

त्वचा होगी बेहतर: बादाम वाले दूध में विटामिन ई भी होता है, जो त्वचा को रोगमुक्त और स्वस्थ रखता है। साथ ही इसे पीने से त्वचा में नमी भी बनी रहती है।

गौमय शिल्प (गोबर आधारित उत्पाद) प्रशिक्षण का आयोजन किया

स्व-सहायता समूहों के लिए गौमय शिल्प प्रशिक्षण का आयोजन, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल जिला प्रशासन की पहल पर जिले के स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करने हेतु नवाचार आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में श्री गोपाल गौशाला, मेहलुआ चैराहा में स्व-सहायता समूह की महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस पर गोबर शिल्पी श्रीमती सोनम नामदेव द्वारा महिलाओं को गोबर से विभिन्न उपयोगी एवं पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को गोबर से निर्मित उत्पादों की उपयोगिता, उनके बाजार मूल्य तथा निर्माण की विधि को विस्तार से समझाया गया। इस अवसर पर स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा देवी-देवताओं की मूर्तियां, दीपक, शुभ-लाभ, श्री यंत्र, तथा अन्य आकर्षक गौमय उत्पाद अपने स्वयं के हाथों से तैयार किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्व-रोजगार से जोड़ना, उनकी आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना तथा गौ-आधारित एवं पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की तथा प्रशिक्षण को अत्यंत लाभकारी और प्रेरणादायक बताया। महिलाओं ने भविष्य में इन उत्पादों के माध्यम से आय अर्जन कर आत्मनिर्भर बनने की इच्छा भी व्यक्त की।

किशोर होते बच्चों को सही और गलत की पहचान सिखायें

किशोर होते बच्चों का ध्यान रखते समय आपको विशेष सावधानियां बरतनी चाहिये। इसका कारण है कि अब आपका बच्चा बड़ा हो रहा है और अपने तरीके से रहना चाह रहा है। ऐसे में उसे सही और गलत की पहचाना कराने की जिम्मेदारी आपके पास है पर कई बार देखा गया है कि बचपन में समझदार और सुलझा हुआ हमारा बच्चा किशोर उम्र का होते-होते इतना अजीबो-गरीब व्यवहार करने लगता है।

आप कई बार सबकुछ संभालने की कोशिश करते हैं पर हालात आपके मुताबिक सुधर नहीं पाते। किशोर होते की उम्र में आपका बच्चा खुद को आजाद समझने लगता है। इस उम्र में बच्चे अपने खुद के निर्णय लेना चाहते हैं।

आपको अगर अपने बच्चे के साथ बेहतर रिश्ता बनाना है तो आपको अपने बच्चे को ठीक से समझना होगा। उनकी भावनाओं को आपको ध्यान में रखना होगा। आपका बच्चा इस उम्र में खुद पर निर्भर होना चाहता है। ऐसे में आपको भी अपने बच्चे को थोड़ा समय देना चाहिए।

बच्चों में अचानक आए बदलाव पर ऐसे नजर रखें

इस उम्र में अक्सर ऐसा होता है कि बच्चे आपकी कोई भी सलाह नहीं लेना चाहते। ये बुरा जरूर लगता है पर इस वक्त आपको बड़ी समझदारी दिखानी होगी। अपने बच्चे को वक्त दें जब तक वो सही रास्ते पर है। अगर आपको लगे कि आपका बच्चा किसी गलत दिशा में जा रहा है तो तुरंत उसे सामने बिठाकर बात करिए।

इस उम्र में बच्चे अपने खाने-पीने, कपड़े, दोस्तों से लेकर सोने का समय तक स्वयं तय करना चाहते है। ऐसे समय में अपने बच्चे को कुछ बातों के निर्णय खुद लेने दे। कुछ बातों पर उन्हें प्यार से समझाएं कि फैसले लेने में आपका साथ कितना जरूरी है।

आपका बच्चा गलत आदतों का शिकार भी हो सकता है। उसे शराब, सिगरेट जैसी गलत आदत की लत भी लग सकती है। तो ऐसे में जरूरी है कि आप उन्हें आजादी तो दे पर मर्यादा के अंदर। बाहर घूमने, देर रात घर आने जैसी बातों पर एक कड़ा नियम जरूर बनाएं। उसे अपनी जिंदगी में आजादी तो दे पर अपनी पूरी देख-रेख में।

इस उम्र में अक्सर आपका और आपके बच्चे का विचार एक जैसा नहीं होता। तो ऐसे में जरूरी है कि आप उन्हें किसी बात के लिए गलत तरीके से जबरदस्ती न करें। ध्यान से उनकी बात सुनें और उन्हें दोनों पहलुओं पर सोचने को कहें। उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप क्यों सही है और वो क्यों गलत। यह बात ध्यान रखें कि वे अब छोटे बच्चे नहीं है जिन पर आप अपनी मर्जी थोप सकें। उन्हें केवल तार्किक और भावनात्मक लगाव के साथ ही आप अपनी बातें समझा सकते हैं।

मां-बाप बच्चे के सबसे पहले टीचर होते हैं. अगर आपका बच्चा गलत भी है तो भी आप उसे गुस्से में आकर नजरअंदाज न करें। उन पर अपनी नजर हमेशा बनाएं रखे। ऐसा करने से आप अपने बच्चे पर नजर भी बनाए रखेंगे और आपका रिश्ता भी खराब नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड की जीत से शुरुआत, श्रीलंका को 87 रनों से हराया

लंदन। यहां शुरु हुए आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट 2026 के पहले ही मैच में मेजबान इंग्लैंड ने श्रीलंका को 87 रनों से हराकर धमाकेदार शुरुआत की है। इंग्लैंड की जीत में डैनी व्याट की शतकीय पारी के बाद फ्रेया केम्प की घातक गेंदबाजी की अहम भूमिका रही। इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 1 विकेट पर 219 रन बनाये। इसके जवाब में श्रीलंका की पूरी टीम 20 ओवर में 132 रनों पर ही आउट हो गई। इस तरह मेजबान इंग्लैंड ने टूर्नामेंट में जीत से शुरुआत की है। इस मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर इंग्लैंड की टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंग्लैंड की ओर से एमी जोन्स और डैनी व्याट ने मिलकर पारी शुरु की। डैनी और जोन्स ने मिलकर पहले विकेट के लिए 135 रन बनाये।

अस्पताल से शुरू हुई थी विलियमसन की प्रेम कहानी

ऑकलैंड। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज और लंबे समय तक कप्तान रहे केन विलियमसन अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए जाने जाएंगे। अपने शांत स्वभाव के कारण विलियमसन की गिनती ऐसे कप्तानों में हुई है जो विवादों से दूर रहे हैं। वहीं निजी जिंदगी की बात करें तो उनकी पत्नी सारा रहीम एक नर्स रही हैं। इन दोनो की प्रेम कहानी भी अनूठी है। जिसकी शुरुआत अस्पताल से हुई जो सुनने में अजीब लगता है पर सही है। साल 2015 में जब विलियमसन अपनी चोट का इलाज करवाने के लिए एक अस्पताल में पहुंचे थे। तब उसी अस्पताल में नर्स का काम कर रही सारा रहीम को लेकर वह प्रभावित हो गये। सारा बेहद सादगी पसंद इंसान हैं और अपनी निजी जिंदगी को हमेशा ही गोपनीय रखती हैं।

एमपीएल वुमंस टी-20 : ग्वालियर शेरनिस ने बुल्स को रौंदा

इंदौर। होल्कर स्टेडियम में खेले गए एमपीएल वुमंस टी-20 (सिंधि?या कप 2026) के एलिमिनेटर मुकाबले में ग्वालियर शेरनिस ने बुंदेलखंड बुल्स को 8 विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटा लिया है। बुंदेलखंड बुल्स द्वारा दिए गए 94 रनों के छोटे लक्ष्य को ग्वालियर शेरनिस ने बेहद आसानी से 16.3 ओवर में महज 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ग्वालियर की इस एकतरफा जीत की सूत्रधार कप्तान नुजहत मसीह परवीन रहीं, जिन्होंने मोर्चे से अगुवाई करते हुए बेहतरीन पारी खेली। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बुंदेलखंड बुल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। ग्वालियर की कसी हुई गेंदबाजी और सटीक लाइन-लेंथ के सामने बुल्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर केवल 93 रन ही बना सकी।

टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट 2026

भारतीय टीम पहले ही मैच में पाक को हराकर जीत से शुरुआत करने उतरेगी

बर्मिंघम ■ एजेंसी

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को यहां टी20 विश्वकप के अपने पहले ही मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। विश्वकप मुकाबलों में हमेशा से ही भारतीय टीम पाक पर हावी रही है। ऐसे में प्रशंसक इस रोमांचक मुकाबले का काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम ने इससे पहले एकदिवसीय विश्वकप जीता था। वहीं अब उसका लक्ष्य पहली बार टी20 विश्व कप खिताब जीतना रहेगा। भारतीय टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है जिसका उसे लाभ मिलेगा। बल्लेबाजी में भारतीय टीम के पास कप्तान हरमनप्रीत के अलावा स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा व जेमिमा रोड्रिग्स जैसी

बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी में उसके पास रेणुका सिंह, क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा जैसी गेंदबाज हैं। इंग्लैंड के हालातों में रेणुका की स्विंग गेंदबाजी और दीप्ति की सटीक लाइन-लेंथ का सामना करना पाक बल्लेबाजों के लिए बेहद कठिन होगा।

दूसरी ओर फातिमा सना की कप्तानी में उतर रही पाक टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल हैं। इनका लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। हालांकि आंकड़ों पर नजर डालें तो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय टीम पाक पर भारी पड़ी है। अब तक दोनो के बीच 16 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 13 भारतीय टीम ने जीते हैं। ऐसे में इस मैच में भी भारतीय टीम जीत का सिलसिला बनाये रखना चाहेगी। पाक की बल्लेबाजी कमजोर है। उसकी ताकत केवल गेंदबाजी है। ऐसे में उसका लक्ष्य सादिया इकबाल और निदा डार जैसी अनुभवी स्पिनरों के जरिये भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना रहेगा

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं: भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, चरणी, यास्तिका भाटिया, नंदनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव।

पाकिस्तान: फातिमा सना (कप्तान), गुल फिरोजा, आयशा जफर, इरम जावेद, एमान फातिमा, आलिया रियाज, नतालिया परवेज, सायरा जबीन, मुनीबा अली, टूबा हसन, रामीन शमीम, सादिया इकबाल, नशरा संधू, डायना बेग और तस्मिया रुबाब।

फिलीपींस में एवीसी वुमेंस कप में खेलती हुई कजाकिस्तान और वियतनाम की महिला टीमें।

जिला रैंकिंग टेबल टेनिस

भव्यांशी, दिशा, आर्या और कियान फाइनल में

इंदौर ■ निसं

इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में आयोजित सत्र की द्वितीय इंदौर जिला रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा के फाइनल मुकाबले तय हो गए हैं। अभय प्रशाल में खेली जा रही इस स्पर्धा के बालिका अंडर-11 आयु वर्ग में भव्यांशी सोनी व दिशा रघुवंशी ने और बालक अंडर-11 आयु वर्ग में आर्या गुप्ता व कियान इंगले ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

बालिका अंडर-11 वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में भव्यांशी सोनी ने शानदार खेल दिखाते हुए ईवा खान को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से शिकस्त दी। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में दिशा रघुवंशी ने अनिंदिता को 3-1 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। इससे पहले खेले गए क्वार्टर फाइनल मैचों में भव्यांशी सोनी ने श्रेष्ठा चौरसिया को 3-0 से, ईवा खान ने सिद्धी दुबे को 3-1 से, अनिंदिता ने सवी पहाड़िया को 3-0 से और दिशा ने ईरा जैन को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया था।

बालक अंडर-11 के सेमीफाइनल में आर्या गुप्ता ने अयान डगरिया को आसानी से 3-0 से परास्त किया। दूसरे बेहद रोमांचक सेमीफाइनल में कियान इंगले ने अयांश मालू को 3-2 से मात देकर फाइनल का सफर तय किया। क्वार्टर फाइनल में आर्या गुप्ता ने निवारण को 3-0 से, अयान डगरिया ने मृणाल सिंह ठाकुर को 3-1 से, कियान इंगले ने रचित जोशी को 3-0 से और अयांश मालू ने यदुवीर सिंह को 3-0 से हराया था।

बालक अंडर-13 वर्ग के क्वार्टर फाइनल मैचों में आर्यन ठाकुर ने कियान इंगले को 3-0 से, आरव कासठ ने अद्विक जैन को 3-0 से, पुण्यांश जैन ने निर्वाण को 3-0 से और साकार भार्गव ने अयांश मालू को 3-0 से हराकर अंतिम चार (सेमीफाइनल) में प्रवेश किया।

स्मैश ट्रॉफी अंतर अकादमी बैडमिंटन स्पर्धा आज से

अमेच्योर और सरताज अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में जुटेंगे जूनियर खिलाड़ी

इंदौर ■ निसं

शहर की जूनियर बैडमिंटन प्रतिभाओं को मंच देने के लिए अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी और सरताज अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में स्मैश ट्रॉफी अंतर अकादमी बैडमिंटन स्पर्धा का आयोजन रविवार, 14 जून से होने जा रहा है। इस एक दिवसीय स्पर्धा के सभी मुकाबले अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी के कोर्ट पर खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में 9, 11, 13, 15 और 17 वर्ष से कम आयु के बालक-बालिका वर्गों में एकल (सिंगल्स) मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

सरताज अकादमी के प्रबंध निदेशक व मुख्य प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा ने बताया कि रविवार सुबह 11 बजे से अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी के तीन कोर्ट्स पर मैच शुरू होंगे। इस अंतर अकादमी स्पर्धा का यह तीसरा संस्करण है, जबकि इससे पूर्व दूसरा आयोजन मार्च माह में लीग आधार पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था।

नए स्कोरिंग सिस्टम और फेदर शटलकॉक से होंगे मैच: स्पर्धा को लेकर तकनीकी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। सभी मुकाबले योनेक्स फेदर शटलकॉक से खेले जाएंगे। खिलाड़ियों को आधुनिक खेल पद्धतियों से अभ्यस्त कराने के लिए मैच नए 15×3 गेम स्कोरिंग सिस्टम के आधार पर होंगे। टूर्नामेंट के अंत में विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही, जूनियर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए स्पर्धा के सर्वश्रेष्ठ उभरते खिलाड़ी (बेस्ट इमर्जिंग प्लेयर) को भी विशेष पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

ग्रीष्मकालीन शिविर के बच्चों को मिलेगा मौका: वर्तमान में सरताज अकादमी और अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी में जूनियर खिलाड़ियों के लिए ग्रीष्मकालीन बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविर संचालित किया जा रहा है।

व्यापार समाचार

अनंत नागेश्वरन बोले

भारत वैश्विक झटकों से निपटने को तैयार, आर्थिक बुनियाद मजबूत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि भारत का बाहरी क्षेत्र मजबूत हुआ है और देश वैश्विक झटकों का सामना करने के लिए बेहतर स्थिति में है। उन्होंने एआई और आर्थिक वृद्धि पर भी बात की।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि भारत का बाहरी क्षेत्र अब काफी मजबूत हो गया है। देश की व्यापक आर्थिक बुनियाद वैश्विक झटकों का सामना करने के लिए बेहतर स्थिति में है। एक आयोजन के दौरान नागेश्वरन ने बताया कि बाहरी क्षेत्र के जोखिमों में काफी कमी आई है।

भारतीय रिजर्व बैंक को रुपये को संभालने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करने का दबाव भी कम है। उन्होंने कहा कि बाहरी मोर्चे पर सबसे कठिन दौर अब पीछे छूट चुका है। हाल के वैश्विक संकटों के दौरान विवेकपूर्ण आर्थिक प्रबंधन और समय पर नीतिगत हस्तक्षेपों से यह बेहतर स्थिति बनी है। नागेश्वरन ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के 6.6 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि अनुमान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक

अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति नियंत्रण में है।

क्या भारत आठ प्रतिशत वृद्धि दर हासिल कर पाएगा?: 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश को लंबे समय तक लगभग आठ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर बनाए रखनी होगी। नागेश्वरन ने यह बात कही। हालांकि, उन्होंने कुछ संभावित चुनौतियों का भी जिक्र किया। यदि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो आर्थिक वृद्धि पर असर पड़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहने पर भी विकास दर प्रभावित होगी। ऐसी स्थिति में वृद्धि दर घटकर करीब छह प्रतिशत तक आ सकती है।

रोजगार और तकनीक का भविष्य क्या है?: रोजगार और तकनीक के विषय पर नागेश्वरन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षेत्र में नए अवसर पैदा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को ऐसे कौशल विकसित करने होंगे जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ काम कर सकें। इससे वे स्वचालन के कारण होने वाले बदलावों से कम प्रभावित होंगे। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तैयारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक सामान्य तकनीक बन जाएगी। भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व के लिए मजबूत प्रतिभा आधार और बड़े आंकड़े संसाधन चाहिए।

अर्थव्यवस्था को कौन से क्षेत्र देंगे सहारा?: मुख्य आर्थिक सलाहकार ने बताया कि सूचीबद्ध कंपनियों ने निवेश बढ़ाना शुरू कर दिया है। यह निजी पूंजीगत व्यय चक्र में सुधार का संकेत देता है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी विकास को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे

धानुका एग्रीटेक की पांच किसान जागरूकता ऑडियो वैनों को रवाना

भोपाल ■ निप्र

धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने आज भोपाल में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किसानों को नकली कृषि उत्पादों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष अभियान की घोषणा की। इस अभियान के तहत 14 जून 2026 को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान पांच किसान जागरूकता ऑडियो वैनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए धानुका एग्रीटेक लिमिटेड के चेयरमैन एमेरिटस डॉ. आर. जी. अग्रवाल ने कहा कि नकली कृषि उत्पाद किसानों, फसलों और कृषि क्षेत्र के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे उत्पाद किसानों को आर्थिक नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों को केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही कृषि उत्पाद खरीदने चाहिए तथा खरीदारी के समय बिल और पक्की रसीद अवश्य लेनी चाहिए। जागरूकता और सतर्कता के माध्यम से ही नकली उत्पादों की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि धानुका एग्रीटेक लिमिटेड की ये पांच किसान जागरूकता ऑडियो वैनें एक माह तक मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में भ्रमण करेंगी। इन वैनों के माध्यम से किसानों को ऑडियो संदेशों के जरिए नकली कृषि उत्पादों की पहचान, उनके दुष्प्रभावों तथा असली उत्पादों की खरीद के महत्व के बारे में जानकारी दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा तथा कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता और विश्वास को बढ़ावा देने के लिए सरकार, उद्योग और किसानों को मिलकर कार्य करना होगा। यह अभियान उसी दिशा में धानुका एग्रीटेक लिमिटेड का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

इंडोफास्ट एनर्जी के पूर्व सीईओ अनंत बड़जात्या ने स्पाइरो के ग्रुप सीईओ का पद संभाला

पुणे। अफ्रीका की अग्रणी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी कंपनी स्पाइरो ने आज अनंत बड़जात्या को ग्रुप चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर (ग्रुप सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की। अनंत दो दशकों से अधिक के नेतृत्व अनुभव के साथ स्पाइरो से जुड़ रहे हैं। उन्होंने भारत, मध्य पूर्व और अफ्रीका में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्रों में कारोबार खड़े किए और उन्हें बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाया है। इससे पहले वे इंडोफास्ट एनर्जी के सीईओ थे, जो इंडियन ऑयल और सन मोबिलिटी का संयुक्त उद्यम है। वहां उन्होंने भारत के सबसे बड़े बैटरी-स्वैपिंग नेटवर्कों में से एक तैयार किया, जिसमें 1,800 से अधिक स्टेशन शामिल हैं और जो रोजाना करीब 90,000 वाहनों को सेवा देता है। यह नियुक्ति स्पाइरो के लिए एक अहम समय पर हुई है, जो कंपनी के 215 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ऐतिहासिक फंडिंग राउंड के ठीक बाद आई है। यह अफ्रीका के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में हुए सबसे बड़े निवेशों में से एक है।

भारत, स्विट्ज़रलैंड ने दवा क्षेत्र में निवेश अवसरों पर चर्चा की

बर्न। भारत और स्विट्ज़रलैंड ने भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान क्षेत्र में स्विस दवा कंपनियों के लिए नए निवेश अवसरों पर विस्तार से चर्चा की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपने स्विट्ज़रलैंड दौरे के दौरान इस विषय पर गहन विचार-विमर्श किया। गोयल ने बर्न में स्विट्ज़रलैंड के आर्थिक मामलों की सचिव हेलेन बुडलिगर आर्टिएडा और प्रमुख दवा एवं जैव-प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की सह-अध्यक्षता की। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि चर्चा का केंद्र नवाचार को मजबूत करने के साथ-साथ भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान क्षेत्र में नए निवेश अवसरों पर था। इसके अतिरिक्त केंद्रीय मंत्री ने स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। इस दौरान दोनों देशों के बीच मजबूत और स्थायी साझेदारी को रेखांकित किया गया।

सोयाबीन खल की कमी ने बढ़ाई लागत, सीएलएफएमए ने जताई चिंता

मुंबई। पशु आहार उद्योग गंभीर संकट का सामना कर रहा है। कंपाउंड लाइवस्टॉक फीड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीएलएफएमए) ने सोयाबीन तेल-रहित खल (डीओसी), जो पशु आहार में प्रोटीन का मुख्य स्रोत है, की गंभीर कमी पर चिंता व्यक्त की, जिससे चारे की लागत में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। इस आपूर्ति व्यवधान के कारण पोल्ट्री, जलीय कृषि (एक्वाकल्चर) तथा पशुपालन क्षेत्रों पर भारी दबाव पड़ा है। सीएलएफएमए के अनुसार हाल के हफ्तों में सोयाबीन डीओसी की कीमतें 40 प्रतिशत से अधिक बढ़कर लगभग 65-66 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। इस वृद्धि ने चारे के उत्पादन की लागत में इजाफा किया है, जिससे 'एनिमल प्रोटीन' मूल्य श्रृंखला से जुड़े किसानों पर सीधा असर पड़ रहा है। संघ की एक प्रमुख अधिकारी ने कहा, भारत के पोल्ट्री, एक्वाकल्चर और पशुपालन क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण आजीविका और निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

होंडा ने अपने 2026 प्रीमियम मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो को और मजबूत किया

गुरुग्राम ■ एजेंसी

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने 2026 CB750 Hornet E-Clutch और XL750 Transalp E-Clutch को लॉन्च किया। कंपनी ने अपने 755ष्ष्प्लेटफॉर्म पर होंडा की E-Clutch तकनीक जोड़ते हुए भारत में अपने प्रीमियम मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। इसके साथ ही, Gold Wing अब नए रंग विकल्प में उपलब्ध है, जबकि CBR1000RR-R Fireblade SP होंडा की फ्लैगशिप सुपरस्पोर्ट मोटरसाइकिल के रूप में जारी रहेगी, जो स्ट्रीट नैकेड, एडवेंचर टूरिंग, लग्ज़री टूरिंग और हाई-परफॉर्मेंस सेगमेंट में बिगविंग लाइन-अप को और मजबूत बनाती है। इस घोषणा पर होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के अध्यक्ष और ष्टश्वह्र श्री त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा: 'E-Clutch के लॉन्च के साथ, होंडा प्रीमियम मोटरसाइक्लिंग अनुभव को और बेहतर बना रहा है, जिससे आराम, उपयोग में सरलता और राइडिंग में आत्मविश्वास बढ़ता है। यह तकनीक रोजमर्रा की शहरी यात्रा से लेकर लंबी दूरी की टूरिंग तक विभिन्न परिस्थितियों में ग्राहकों की मदद के लिए डिज़ाइन की गई है, और यह भारत में राइडर्स को उन्नत इंजीनियरिंग और बेहतर मूल्य प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।'

Hornet E-Clutch में होंडा की मिडिलवेट स्ट्रीट नैकेड प्लेटफॉर्म को E-Clutch तकनीक के साथ और उन्नत किया गया है, जिससे दैनिक और उत्साही राइडिंग दोनों में सुविधा बढ़ती है। यह 755cc पैरेलल-ट्विन इंजन से लैस है, जो 67.5 kW पावर और 75 Nm टॉर्क प्रदान करता है।

ईबीजी ग्रुप और यूनिवर्सल फिटनेस आस्ट्रेलिया ने हैदराबाद में साझेदारी की घोषणा करते हुए भारत में 300 करोड़ का विस्तार योजना की घोषणा की

हैदराबाद ■ एजेंसी

ईबीजी ग्रुप ने ऑस्ट्रेलिया स्थित यूनिवर्सल फिटनेस आस्ट्रेलिया के साथ एक विशेष साझेदारी की घोषणा की है, जिसके तहत भारत में एक नई श्रेणी के एकीकृत स्वास्थ्य, फिटनेस, पुनर्वास और वेलनेस गंतव्यों को शुरू किया जाएगा। यह साझेदारी अगले पांच वर्षों में 300 करोड़ के निवेश रोडमैप के साथ समर्थित है। यह साझेदारी भारत की वेलनेस अर्थव्यवस्था में तेजी से विकसित हो रहे अवसर को संबोधित करती है, जहां उपभोक्ता पारंपरिक जिम सदस्यताओं से आगे बढ़कर समग्र समाधानों की ओर जा रहे हैं जो फिटनेस, रिकवरी, निवारक स्वास्थ्य और जीवनशैली अनुभवों को एक छत के नीचे जोड़ते हैं।

डेलोइटी इंडिया और यूनिवर्सल फिटनेस आस्ट्रेलिया 2025 के अनुसार, भारत का व्यावसायिक फिटनेस बाजार वर्तमान में लगभग 16,200 करोड़ का है, जिसके 2030 तक 37,700 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। सदस्यता संख्या भी इसी रुझान को दर्शाती है, जो 12.3 मिलियन से बढ़कर 23.3 मिलियन हो जाएगी। लेकिन जो बात ध्यान देने योग्य है वह यह है कि 2030 तक भी पेनेट्रेशन केवल 1.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। 1.4 अरब की आबादी वाले देश में यह संकेत देता है कि बाजार का कितना बड़ा हिस्सा अभी भी अनछुआ है, और यहीं ईबीजी ग्रुप और

यूनिवर्सल फिटनेस आस्ट्रेलिया सबसे स्पष्ट अवसर देखते हैं।

इस साझेदारी के तहत, ईबीजी ग्रुप भारत में यूनिवर्सल फिटनेस आस्ट्रेलिया के विकास, रोलआउट और संचालन का नेतृत्व करेगा। दोनों कंपनियां पांच वर्षों में 30 से अधिक प्रीमियम हेल्थ और फिटनेस सैंक्चुअरी तथा दो डेस्टिनेशन वेलनेस रिट्रीट स्थापित करने की योजना बना रही हैं। सबसे पहले हैदराबाद और बेंगलुरु में शुरूआत होगी, उसके बाद मुंबई, दिल्ली ह्रष्टक्र, पुणे और अन्य उच्च-विकास वाले शहरी केंद्रों में विस्तार होगा।

प्रत्येक सुविधा 40,000 से 45,000 वर्ग फुट के क्षेत्र में फैली होगी, जो पारंपरिक जिम से काफी बड़ी है और प्लेटफॉर्म द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की व्यापकता को दर्शाती है। इन सुविधाओं की कल्पना एक एकीकृत वेलनेस कैंपस के रूप में की गई है, जिसमें एडवांस्ड फिटनेस ट्रेनिंग, ग्रुप स्टूडियो, पिलाटेस प्रोग्राम, स्विम स्कूल, फिजियोथेरेपी एवं स्पोर्ट्स रिहैबिलिटेशन, तथा ,ढ्ढ-सक्षम बॉडी कंपोजिशन एनालिसिस के लिए समर्पित ज़ोन शामिल होंगे। रिकवरी इंफ्रास्ट्रक्चर भी ऑफरिंग का उतना ही महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें मैग्नीशियम मिनरल पूल, इन्फ्रारेड सॉल्ट रूम, कोल्ड-प्लंज थेरेपी और रिकवरी लाउंज शामिल हैं।

स्वास्थ्य राज्यमंत्री पटेल ने देवरी वनपरिक्षेत्र में किया पौधरोपण

रायसेन। स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल शनिवार को वनमण्डल रायसेन सामान्य अंतर्गत देवरी वनपरिक्षेत्र में अवरिल निर्मल नर्मदा तथा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए तथा पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी से एक पेड़ माँ के नाम अभियान में सहभागिता करते हुए अधिक से अधिक पौधरोपण करने की अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण संतुलन तथा धरती की हरियाली को बनाए रखने के लिए पौधरोपण करना जरूरी है। सभी कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा वृक्ष बनने तक उसकी देखरेख करें। इस अवसर पर डीएफओ रायसेन, श्रीमती प्रतिभा शुक्ला सहित वन अधिकारियों ने भी पौधरोपण किया।

'अनुगूंज' नामक विशेष जागरूकता शिविर में दिव्यांगजनों की समस्याओं का हुआ समाधान, 'संकेत वाणी' ऐप का शुभारंभ

रायसेन ■ निसं

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष अनिल कुमार सोहाने के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर रायसेन में "अनुगूंज" नामक विशेष एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में माननीय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश और मुख्य संरक्षक मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से 'संकेत वाणी' नामक ऐप का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियों के लिए संवाद को सरल एवं सुगम बनाना है।

कार्यक्रम में सुसुमन श्रीवास्तव सदस्य सचिव मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर, सुअनुजा सक्सेना सीनियर ट्रेनर एमसीपीसी, अजय खेमरिया दिव्यांगजन मामलों के आयुक्त, डॉ पराग जैन योग एवं मनोविज्ञान विशेषज्ञ, गुरमुख सिंह लांबा मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की किशोर न्याय समिति के सलाहकार द्वारा ऑनलाईन माध्यम से उपस्थित मूक बधिर व्यक्तियों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में 'संकेत वाणी' ऐप की कार्यप्रणाली का प्रदर्शन करते हुए बताया गया कि यह ऐप सांकेतिक भाषा के माध्यम से संचार को अधिक प्रभावी बनाएगा तथा दिव्यांगजनों को विभिन्न सेवाओं एवं सुविधाओं तक पहुंचने में सहायता प्रदान करेगा।

इस अवसर पर आयोजित शिविर में माननीय प्रधान जिला न्यायाधीष एवं अध्यक्ष महोदय अनिल कुमार सोहाने द्वारा दिव्यांगजन एवं श्रवण-बाधित नागरिकों की विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों को सुना गया तथा संबंधित विभागों के सहयोग से उनके निराकरण किये जाने हेतु निर्देष सम्प्रसारित किए गए। मूक बधिर व्यक्तियों द्वारा अपनी समस्याओं से संबंधित प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया गया, जिसके संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारीगण के साथ बैठक आयोजित कर समस्याओं का तत्काल निराकरण का प्रयास किया गया। श्रीमती हर्षिनी यादव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा व्यक्त किया गया कि कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों को न्याय एवं शासन की सेवाओं से जोड़ते हुए उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना तथा समाज में समावेशिता को बढ़ावा देना है। अनिल कुमार सोहाने प्रधान जिला न्यायाधीष एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायसेन द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी मूक बधिर नागरिकों को उपहार प्रदान किए गए। अंत में सभी ने दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं सुगम न्याय व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

संक्षिप्त समाचार

चारों धाम की पवित्र तीर्थ यात्रा कर लौटे भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा हुआ जोरदार स्वागत

रायसेन। भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा द्वारा पवित्र चारों धाम की तीर्थ यात्रा यमुनोत्री धाम, गंगोत्री धाम, केदारनाथ धाम एवं बद्रीनाथ धाम की 10 दिवसीय यात्रा के बाद बापस रायसेन लौटने पर शनिवार को जिले के अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा शर्मा का शाल श्रीफल एवं पुष्पहारों के साथ जोरदार स्वागत किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके आगमन पर खुशी व्यक्त करते हुए उनकी सफल तीर्थ यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष शर्मा ने चारों धाम तीर्थ यात्रा के दौरान लिए अनुभव के कई धार्मिक संस्मरण भी सुनाए। शर्मा ने सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा दिए गए प्रेम स्नेह के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी के प्रति आभार जताया।

जनकल्याण शिविरों, जल गंगा संवर्धन अभियान सहित अन्य कार्यो की समीक्षा

रायसेन। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शनिवार को आयोजित बैठक सह वीडियो कॉफ्रेंस में कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने जिले में आयोजित किए जा रहे जनकल्याण शिविरों की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम, जनपद सीईओ तथा सीएमओ से कहा कि शिविरों का आयोजन नागरिकों तक शासन की योजनाओं का लाभ सुगमता से पहुंचाने और उनकी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से किया जा रहा है। सभी अधिकारी शिविर में प्राप्त होने वाले आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण कराएं। साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने की कार्यवाही भी की जाए। बैठक में कलेक्टर विश्वकर्मा ने अधिकारियों से कहा कि प्रस्तावित समान नागरिक संहिता के संबंध में नागरिकों से सुझाव प्राप्त किए जाना है। नागरिक पर अपने सुझाव दर्ज करा सकते हैं। नागरिकों को विभिन्न माध्यमों से इसकी जानकारी दी जाए। सुझाव दर्ज कराने की प्रक्रिया बेहद सरल है तथा इसमें अधिक समय नहीं लगता। नागरिकों को बताएं कि उनके सुझाव महत्वपूर्ण हैं।

फिलीपींस नंबर से वकील को मिली जान से मारने की धमकी, 1.25 लाख की रंगदारी मांगी

रायसेन। शहर के अधिवक्ता मुकेश शाक्या को फिलीपींस कंट्री कोड (+63) वाले व्हाट्सएप नंबर से कॉल कर जान से मारने की धमकी देने और 1.25 लाख रुपए की रंगदारी मांगने वाले आरोपी को रायसेन पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने खुद को हर्ष बताकर अधिवक्ता से कहा था कि उसे उनकी हत्या की सुपारी मिली है और 1.25 लाख रुपए देने पर वह मामला खत्म कर देगा। आरोपी ने व्हाट्सएप पर बैंक खाते की जानकारी और पासबुक की फोटो भी भेजी थी। मामले की शिकायत मिलने पर पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने इसे गंभीरता से लेते हुए थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र गोयल के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की। टीम ने मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। जांच में आरोपी द्वारा विदेशी नंबर का इस्तेमाल कर पहचान छिपाने की कोशिश सामने आई। थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की लोकेशन ट्रेस की और जबलपुर से उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कटनी निवासी अभिषेक के रूप में हुई है। पूछताछ में वैभव ठाकुर नामक एक अन्य आरोपी की संलिप्तता भी सामने आई है, जो फिलहाल फरार है। उसकी तलाश जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों ने इस तरह की वारदात अन्य लोगों के साथ तो नहीं की है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण-2026 की समीक्षा बैठक संपन्न

विदिशा। निर्वाचन प्रेक्षक अभय वर्मा ने जिले में मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को मतदाता सूची को पूर्णत: शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के निर्देश दिए। बैठक में प्रेक्षक वर्मा ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सफलता के लिए सटीक एवं विश्वसनीय मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल किए जाएं तथा अपात्र अथवा त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों को नियमानुसार संशोधित किया जाए। साथ ही सभी दावों एवं आपत्तियों का समयबद्ध और निष्पक्ष निराकरण सुनिश्चित करने पर भी बल दिया। अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे पुनरीक्षण कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की तथा प्रगति से अवगत कराया। बैठक के अंत में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने प्रेक्षक द्वारा दिए गए निर्देशों का अक्षरश: पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को समयसीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े सभी कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूर्ण किए जाएं ताकि आगामी स्थानीय निर्वाचन की तैयारियां सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संपन्न हो सकें। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में संपन्न हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ ओ.पी. सनोडिया, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती दीपागुप्ता, तहसीलदार शहरी एवं ग्रामीण, जनपद पंचायत विदिशा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नगरपालिका परिषद विदिशा के मुख्य नगरपालिका अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं जिले के विभिन्न विकासखंडों से रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नगर निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए थे।

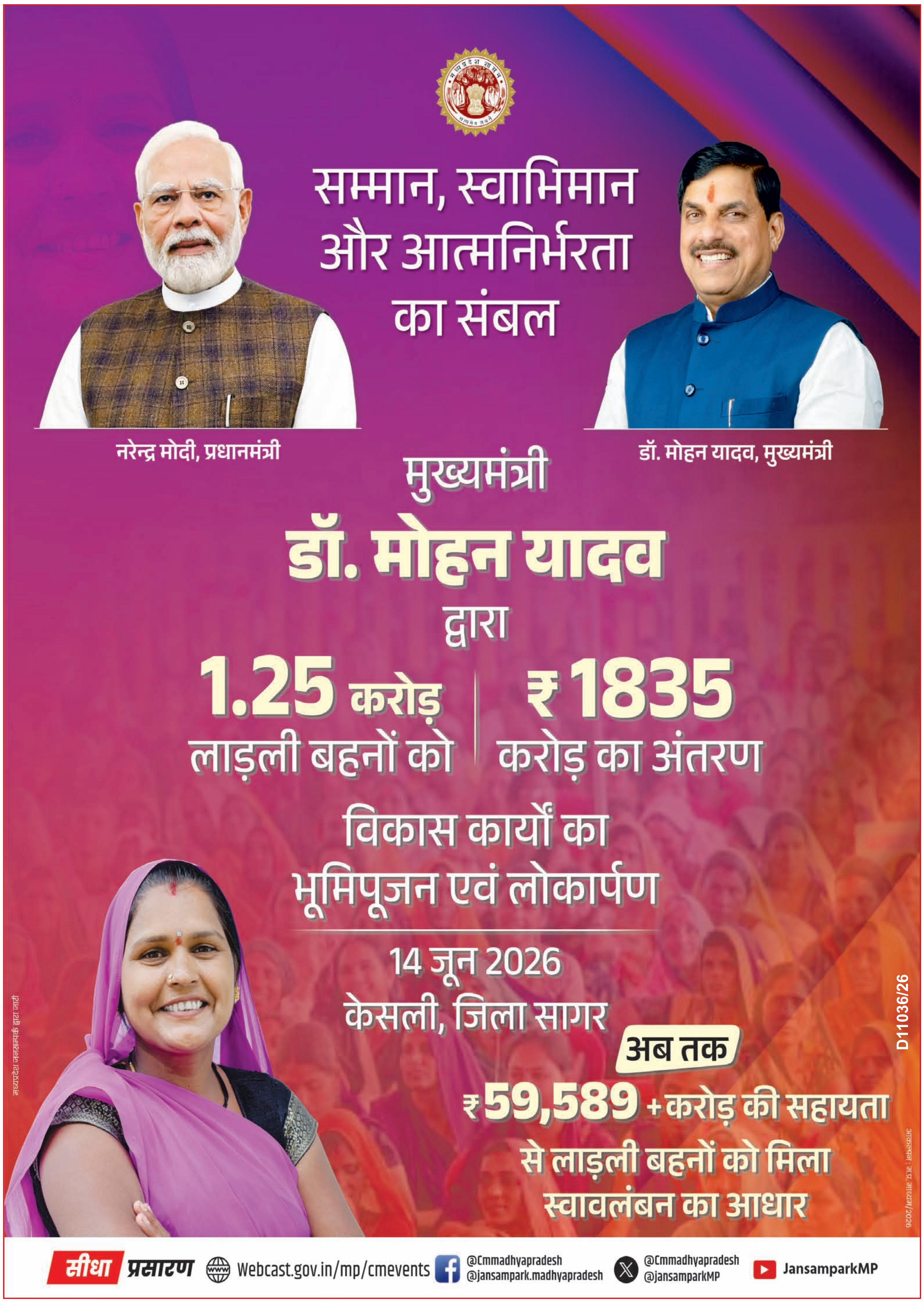

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित।: संपादक- डी.पी.गोयल।मो.9827054436, 9826735596. व्यवस्थापक: श्याम अग्रवाल, भोपाल कार्यालय: 4240007. फैक्स:0755-4296195 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।